राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 01 जून 2024 वर्ष–7,अंक–128 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार

● याचिका में अपील-हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश को ज्यादा पानी छोड़ने कहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जल संकट से जूझ रही दिल्ली के लिए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। शुक्रवार को दाखिल की गई याचिका में केजरीवाल सरकार ने अपील की है कि कोर्ट हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश से एक महीने के लिए एक्स्ट्रा पानी देने के लिए निर्देश दे। दिल्ली सरकार ने कहा है कि गर्मी की वजह से शहर में पानी की मांग काफी

बढ़ गई है और पड़ोसी राज्यों को एक महीने के लिए और ज्यादा पानी देने का निर्देश दिया जाना चाहिए। राजधानी में पानी की बहुत ज्यादा कमी है और जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं देने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी भाजपा से अपील की है कि वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश में अपनी सरकारों से एक महीने के लिए पानी देने के लिए कहे। सीएम केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भीषण गर्मी में पानी की डिमांड बहुत बढ़ गई है। जो पानी दिल्ली को पड़ोसी राज्यों से मिलता था, उसमें भी कमी कर दी गई है।

पोर्न स्टार केस

पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प सभी 34 मामलों में दोषी करार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को किसी अपराध में दोषी पाए जाने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए। राष्ट्रपति चुनावों के बीच न्यूयॉर्क में लगभग 6 हफ्तों तक चली सुनवाई में उन्हें 34 आरोपों में दोषी करार दिया गया है। भारतीय समयानुसार सुबह 2 बजे कोर्ट ने ट्रम्प के दोषी होने का फरमान सुनाया। ट्रम्प के खिलाफ पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस चल रहे थे। यह मामला 2016 में उनके

अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। इसके खुलासे के बाद पहली बार ऐसा हुआ था जब अमेरिकी इतिहास में पहली बार किसी प्रेसीडेंट पर आपराधिक केस चलाया गया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कोर्ट ने 6 सप्ताह में 22 गवाहों को सुना। इनमें स्टॉर्मी डेनियल्स भी शामिल थीं। दो दिनों तक विचार-विमर्श के बाद 12 मेंबर की ज्यूरी ने ट्रम्प के दोषी पाए जाने की घोषणा की। डोनाल्ड ट्रम्प को क्या सजा मिलेगी, इस पर अब 11 जुलाई को सुनवाई होगी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प को सजा सुनाने के वक्त कोर्ट रूम का माहौल काफी संजीदा था। ज्यूरी को फैसला सुनाने के लिए कोर्टरूम के ज्यूरी बॉक्स में बुलाया गया। 7 महीनों में पहली बार पूछा-वो किस नतीजे पर पहुंचे हैं।

पीएम मोदी के ध्यान के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची तमिलनाडु कांग्रेस

विवेकानंद रॉक के ध्यानमंडपम से पीएम की तस्वीरें सामने आईं, 1 जून तक यहीं रहेंगे

कन्याकुमारी (एजेंसी)। पीएम मोदी का कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान करने का शुक्रवार को दूसरा दिन है। सुबह उनके ध्यान करने की तस्वीरें सामने आईं। वे भगवा चोला, हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाए दिखे। उन्होंने सूर्य को अर्घ्य दिया, मंदिर की परिक्रमा की और ध्यान मुद्रा में बैठे। पीएम एक जून सुबह 10 बजे तक विवेकानंद रॉक मेमोरियल में रहेंगे। उधर विपक्ष मोदी के ध्यान को आचार संहिता का उल्लंघन बता रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पीएम अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। पीएम गुरुवार शाम

को कन्याकुमारी पहुंचे थे। सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूजा के दौरान मोदी ने सफेद मुंडु (दक्षिण भारत का एक परिधान) और शॉल पहना था। पुजारियों ने उनसे विशेष आरती कराई। प्रसाद, शॉल और देवी की तस्वीर दी। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने मद्रास हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि प्रधानमंत्री की विवेकानंद रॉक यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता है, लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 के 7वें फेज के कूलिंग पीरियड के दौरान उनकी यात्रा हिंदू भावनाओं को भड़काने और अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके वोट हासिल करने की कोशिश है। इसलिए इस पर कार्रवाई हो।

उड़ान में 20 घंटे की देरी,एयर इंडिया पर ऐक्शन मोड में सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एयर इंडिया फ्लाइट को 20 घंटे की देरी होने पर उड्डयन मंत्रालय ने नोटिस जारी किया है। बता दें कि उड़ान में इतनी ज्यादा देर होने पर बहुत सारे यात्री बेहोश हो गए थे। यात्रियों ने बताया था कि विमान में एसी भी नहीं चल रहा था। वहीं बहुत सारे लोगों को एयरोब्रिज में ही अपना सामान रखकर लेटना पड़ गया। लोगों ने बताया कि हालात नरक जैसे हो गए थे। इसके बाद मंत्रालय ऐक्शन मोड में दिख रहा है। एयरलाइन ने बताया था कि संचालन संबंधी समस्या की वजह से उड़ान में इतनी देरी हो गई। इसके पीछे उड़ान की समय सीमा को जिम्मेदार ठहराया गया है।

ब्रिटेन से वापस लाया गया देश का 100 टन सोना

● 1991 में भुगतान संकट टालने के लिए चन्द्रशेखर सरकार ने रखा था गिरवी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच एक बड़ी खुशखबरी आई है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने ब्रिटेन से 100 टन से अधिक सोना देश में वापस मंगा लिया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने वापस लाए सोने को अपने भंडार में ट्रांसफर कर दिया है। बता दें कि

1991 में इस सोने को गिरवी रखा गया था और अब आरबीआई ने इसे वापस मंगा कर अपने स्टॉक में रख लिया है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने आधे से अधिक सोने का भंडार बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटेलमेंट्स के पास रखे हैं। जबकि इसका एक तिहाई हिस्सा देश में है। रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन से सोना भारत लाने के कारण आरबीआई को स्टॉक कास्ट बचाने में भी मदद मिलेगी। इसका भुगतान हर साल बैंक ऑफ इंग्लैंड को किया जाता है।

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में फैसला सुरक्षित

● मुस्लिम पक्ष ने कहा-मामला सुनने योग्य नहीं

प्रयागराज (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में दायर 18 याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आज सुनवाई पूरी की। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। गर्मी की छुट्टियों के बाद कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है।

जिसमें तय हो जाएगा कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिका सुनने योग्य है या नहीं। हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल 18 याचिकाओं को शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने हाईकोर्ट में ऑर्डर 7, रूल 11 के तहत चुनौती दी। शाही ईदगाह कमेटी के वकीलों ने बहस के दौरान कहा- मथुरा कोर्ट में दाखिल याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

अंतिम चरण

8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग आज

वाराणसी से पीएम मोदी मैदान में, कंगना, रवि किशन, पवन सिंह समेत 4 ऐक्टर भी चुनाव लड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव-2024 के सातवें और अंतिम फेज में कल शनिवार (1 जून) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों में से सबसे ज्यादा भाजपा 25, टीएमसी 9, बीजद 4, जेडीयू और अपना दल (एस) 2-2, जेएमएम महज 1 सीट जीत सकी थी। कांग्रेस को केवल पंजाब की बदौलत 8 सीटों पर जीत मिली थी। इस फेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 2 केंद्रीय मंत्री आरके सिंह और अनुराग ठाकुर मैदान में हैं। 4 एक्टर- कंगना रनोट, रवि किशन, पवन सिंह, काजल निषाद भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी, अफजाल अंसारी, विक्रमादित्य सिंह भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के सातवें फेज में 904 कैंडीडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 809 पुरुष और 95 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी बठिंडा, पंजाब से उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल हैं। उनके

पास 198 करोड़ रुपए की संपत्ति है। 542 लोकसभा सीटों के लिए छठे फेज तक 485 सीटों पर मतदान हो चुका है। 1 जून को आखिरी 57 सीटों पर वोटिंग होगी। गुजरात में सूरत से भाजपा के उम्मीदवार रहे मुकेश दलाल निर्विरोध चुनाव जीत चुके हैं, इसलिए वोटिंग 542 सीटों पर ही हो रही है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 199 कैंडीडेट ऐसे हैं, जिन पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। वहीं 155 उम्मीदवार ऐसे भी हैं, जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 13 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 4 उम्मीदवारों पर हत्या और 21 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 27 उम्मीदवारों पर दर्ज हैं। 3 उम्मीदवारों के खिलाफ दुष्कर्म (आईपीएस-376) का केस दर्ज है। वहीं, 25 कैंडीडेट्स पर भड़काऊ भाषण देने का केस दर्ज है। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में 904 उम्मीदवारों में से 33 फीसदी यानी 299 करोड़पति हैं।

सूरज की 'आग' से झुलस रहा देश, 79 की मौत

● गर्मी ने इस बार तोड़ दिए सारे रिकार्ड, 7 राज्यों में 79 ने गंवाई जान ● बिहार में सबसे ज्यादा 44 लोगों की गई जान, झारखंड में 15 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 7 राज्यों में हीटवेव के कारण गुरुवार को 79 लोगों की मौत हुई। इनमें सबसे ज्यादा बिहार में 44 लोगों की जान गई। झारखंड में 15 की मौत हुई। ओडिशा के राउरकेला में 6 घंटे के दौरान 10 लोगों ने दम तोड़ दिया। राजस्थान में 5 लोगों की मौत हुई। छत्तीसगढ़ में 3 और उत्तर प्रदेश-दिल्ली में 1-1 की मौत हुई। मौत के सभी आंकड़े आधिकारिक तौर पर जारी नहीं किए गए हैं। अच्छी खबर यह है कि इन राज्यों में आज से हीटवेव से राहत मिलने की उम्मीद है। बिहार और झारखंड में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। दोनों राज्यों

के कई हिस्सों में देर रात गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ शुरू भी हो गई है। आईएमडी ने शुक्रवार (31 मई) के लिए देश में कहीं भी हीटवेव का रेड अलर्ट जारी नहीं किया है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ अगले पांच दिन का तापमान मौजूदा तापमान से 2-4 डिग्री कम रह सकता है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में रात को गर्म मौसम रहेगा। गुरुवार को हरियाणा के सिरसा में देश में सबसे ज्यादा 49.1 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। बिहार में 9 जिलों में गुरुवार (30 मई) को 44 लोगों की हीटवेव से मौत हुई है।

प्रज्वल रेवन्ना की 35 दिन बाद हुई भारत वापसी

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर एसआईटी ने किया अरेस्ट, मां से आज होगी पूछताछ

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के मुख्य आरोपी सांसद प्रज्वल रेवन्ना 35 दिन बाद गुरुवार रात जर्मनी से भारत पहुंचे। बेंगलुरु के कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड होने के बाद रात करीब 1 बजे एसआईटी ने उन्हें कस्टडी में ले लिया। प्रज्वल को टीम एसआईटी ऑफिस ले गई, जहां उन्हें रातभर रखा गया। शुक्रवार को पूछताछ से पहले एसआईटी प्रज्वल को बॉरिंग और लेडी कर्जन हॉस्पिटल में मेडिकल के लिए ले गई है। वहीं, उनके वकील अरुण भी एसआईटी ऑफिस में मौजूद हैं। मेडिकल के बाद प्रज्वल को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। यहां पुलिस उनकी कस्टडी की मांग करेगी। उधर, एसआईटी ने प्रज्वल की मां

भवानी रेवन्ना से पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। टीम ने ने उन्हें 1 जून को होलेनरसीपुर में अपने घर पर मौजूद रहने कहा है। प्रज्वल हासन लोकसभा सीट से जेडीएस के उम्मीदवार हैं। उनके खिलाफ 3 महिलाओं से यौन उत्पीड़न के 3 मामले दर्ज हैं। वे 26 अप्रैल को वोटिंग के बाद जर्मनी चले गए थे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक एसआईटी समय-समय पर प्रज्वल का पोटेंसी टेस्ट कराने पर भी विचार कर रही है। बलात्कार का आरोपी पीड़ित पर यौन हमला करने में सक्षम है या नहीं, यह पता लगाने के लिए टेस्ट किया जाता है। फोरेंसिक टीम प्रज्वल का ऑडियो सैंपल भी लेगी, जिससे पता लगाया जा सके कि वायरल वीडियो में सुनाई रही आवाज प्रज्वल की है या नहीं। भारत आने से पहले प्रज्वल ने सेशंस कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका भी लगाई गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

हिमाचल प्रदेश में विश्व का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र

एक बूथ पर हेलीकॉप्टर तो दूसरे पर नांव से पहुंची पोलिंग टीमें, खतरनाक नाला-पहाड़ भी पार किया

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियां ऐसी हैं, जहां मतदान करवाना चुनौती से कम नहीं। राज्य में एक पोलिंग बूथ ऐसा है, जहां हेलीकॉप्टर से पहुंचा जा सकता है। एक मतदान केंद्र में नाव से साढ़े 5 किलोमीटर का सफर कर पोलिंग पार्टी पहुंच पाई हैं। प्रदेश में दर्जनों ऐसे पोलिंग बूथ हैं, जहां पहुंचने के लिए पोलिंग पार्टियों को ऊंचे-ऊंचे पहाड़, खतरनाक नदी-नाले और बर्फ के पहाड़ पार कर पहुंचना पड़ा। यही नहीं, विश्व का सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थापित मतदान केंद्र भी हिमाचल के लाहौल-स्पीति जिले में है। हिमाचल के कांगड़ा जिला में अति दुर्गम क्षेत्र बड़ा भंगाल के लिए पोलिंग पार्टी हेलीकॉप्टर से भेजी गई है।

गुरुवार शाम को मतदान दल ईवीएम के साथ हेलीकॉप्टर में बड़ा भंगाल के लिए उड़ा। यह टीम आज शाम तक पोलिंग बूथ को वोटिंग के लिए तैयार करेगा। शनिवार को वोटिंग के बाद पोलिंग पार्टी बड़ा भंगाल में ही नाइट स्टे करेगी। 2 जून को पोलिंग पार्टी हेलीकॉप्टर से ही वापस बैजनाथ लौटेंगी। बड़ा भंगाल हिमाचल का इकलौता ऐसा मतदान केंद्र है, जहां पोलिंग पार्टी हेलीकॉप्टर से पहुंचाई जाती है। वापस भी हेलीकॉप्टर से ही लाई जाती है। सड़क कनेक्टिविटी न होने की वजह से यहां से लोगों का जीवन भी कठिनाइयों से भरा रहता है। बैजनाथ से बड़ा भंगाल पैदल पहुंचने में कम से कम 3 दिन लगते हैं। आधे रास्ते में एक नाइट का स्टे करना पड़ता है। बैजनाथ से बरोट-मुल्थान होते हुए गड़सापुल तक सड़क से पहुंचा जा सकता है, लेकिन यहां से आगे 3 दिन पैदल चलना पड़ता है। इस वजह से यहां चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार भी वोट मांगने नहीं पहुंच पाते हैं।

● मॉर्जिन का रिकॉर्ड बनाने के लिए शाह ने बनाई रणनीति; योगी ने अकेले 10 सभाएं की

काशी में 'स्पेशल-100' ने संभाला पीएम मोदी का कैंपेन

वाराणसी (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के आखिरी फेज में वाराणसी में 1 जून को वोटिंग है। पीएम मोदी तीसरी बार यहां से प्रत्याशी हैं। उनकी जीत का मॉर्जिन बढ़ाने के लिए भाजपा ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। गुरुवार शाम को चुनाव प्रचार थमने से पहले तक केंद्रीय और राज्यों के मंत्रियों ने यहां गलियों में घूम-घूमकर लोगों से वोट की अपील की। काशी में पीएम के चुनावी मैनेजमेंट के लिए देशभर से भाजपा के 'स्पेशल-100' की टीम मैदान में उतरी। भाजपा के एक सीनियर नेता ने बताया कि काशी में इस बार रिकॉर्ड मॉर्जिन से जीत पर पार्टी का फोकस है। इसलिए, हर समुदाय, हर जाति, हर वर्ग के बीच पहुंचा गया है। मकसद एक ही है लोगों को वोट के लिए प्रेरित करना। नामांकन से लेकर प्रचार तक की कमान की रणनीति गृहमंत्री अमित शाह ने बनाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, पीयूष गोयल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से लेकर हैदराबाद से भाजपा प्रत्याशी माधवी लता, भाजपा के फायर ब्रांड नेता तेजस्वी सूर्या भी वाराणसी पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ प्रबुद्धजन सम्मेलन समेत अकेले काशी में 10 सभाएं कर चुके हैं। केंद्रीय मंत्री एस. जयशंकर, स्मृति ईरानी और राजनाथ सिंह, एसपी सिंह बघेल, महेंद्र नाथ पांडे, रामदास आठवले, पारस

पासवान समेत कई दिग्गज काशी के चुनावी मैदान में उतरे। यानी, हर नेता ने काशी में अपने-अपने लोगों के बीच पहुंचकर प्रचार किया। जैसे देवेंद्र फडणवीस ने मराठी समुदाय से संपर्क साधा। तेजस्वी सूर्या दक्षिण भारतीय समुदाय तक पहुंचे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथ पीएम मोदी की पूरी चुनावी कमान है। पीएम के कार्यालय उद्घाटन से लेकर नामांकन, चुनाव प्रचार, मतदान तक सब कुछ हाथ में ले रखा है। सुनील बंसल जैसे मंझे नेता शाह की रणनीति को अमलीजामा पहना रहे हैं। शाह ने काशी में 4 सभाएं और 8 जनसंवाद कार्यक्रम किए। काशी विश्वनाथ, कालभैरव समेत मंदिरों-मठों में गए और प्रमुख लोगों से मुलाकात की। सीएम योगी ने चुनाव शुरू होने से लेकर प्रचार के आखिर तक काशी में करीब 10 कार्यक्रमों में भाग लिया। गंगा की पूजा-अर्चना और आरती की। काशी विश्वनाथ मंदिर में माथा टेका तो काल भैरव की विशेष पूजा की। वाराणसी कचहरी के निकट रामआसरे वाटिका में वकीलों से संवाद किया। सिर्फ पब्लिक नहीं, बल्कि उन्होंने वकीलों तक से अलग से बातचीत की। बताया कि पीएम मोदी वकीलों की प्राथमिकता में और वकील उनकी प्राथमिकता में हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने काशी में 5 कार्यक्रमों में जनता से संवाद किया। उन्होंने पुरोहितों, अर्चकों और प्रमुख धार्मिक नेताओं से संवाद किया।

संपादकीय

मानसून की दस्तक

मानसून के बादलों ने केरल का स्पर्श कर लिया और यह पूरे देश के लिए सुखद और स्वागतयोग्य सूचना है। गरमी से तपते उत्तर भारत में भी अब यह बहुत संतोष की बात है कि भारत-भूमि पर मानसूनी बारिश की शुरुआत हो चुकी है और इसके बादल अब निरंतर पास आते चले जाएंगे। केरल ही नहीं, पूर्वोत्तर के राज्यों में भी मानसून ने दस्तक दे दी है। वैसे केरल और दक्षिण भारत के अनेक इलाकों में मानसून के पहले की बारिश हो रही थी। पूर्वोत्तर में भी चक्रवात के प्रभाव की वजह से अनेक इलाके जल में डूबे हुए थे, फिर भी मानसून का आना और समय से दो दिन पहले आ जाना खास मायने रखता है। भू-विज्ञानियों के लिए यह अध्ययन का विषय है कि मानसून दो दिन पहले कैसे आ गया? क्या यह भारत-भूमि पर अत्यधिक गरमी या धूप का असर है? मौसम संबंधी हमारे अनुमान अगर सटीक नहीं बैठ रहे हैं, तो यह अपने आप में सोचने का विषय है। वैसे केरल तट पर मानसून के पहुंचने की तिथि 1 जून ही है, लेकिन यह कभी पहले, तो कभी कुछ देर से पहुंचता है। खैर, मानसून को आगे बढ़कर महाराष्ट्र पार करने में दस दिन लगेंगे और जून महीने के आखिर तक यह उत्तर भारत को भी भिगोने लगेगा। वैसे यह माना जाता है कि दक्षिण में मानसून के आने का असर उत्तर भारत के मौसम पर भी पड़ता है। उत्तर भारत में लोग भीषण गरमी से मुक्ति के इंतजार में हैं। जगह-जगह से आगजनी की घटनाओं की सूचना भी आ रही है। भारत में गरमी से भी ज्यादा बड़ी समस्या जल या पेयजल का अभाव है और उससे भी बड़ी समस्या आगजनी है। इन सभी समस्याओं का अधिकतम समाधान मानसून के पास ही है और इसीलिए इसका बेसब्री से इंतजार स्वाभाविक है। मानसून अपने आप में एक पूरी संस्कृति है, जिसे दुनिया भर के अनेक विद्वान बहुत चाव से देखते हैं। अंग्रेज लेखक अलेक्जेंडर फेटर ने 1980 के दशक के आखिर में एक साल मानसून का पीछा किया था, केरल के समुद्री तट से चेरापूंजी तक और एक पूरी किताब चेजिंग द मानसून ही लिख डाली थी कि कैसे मानसून के साथ भारत और उसका समाज खूबसूरत करवट लेता है। आज भी भारतीय समाज राहत की करवट के लिए बेताब है। मानसून के समय जीवन शैली के साथ-साथ पहनावे और खान-पान में भी बहुत परिवर्तन आ जाता है। सांस्कृतिक रूप से देश और समृद्ध हो उठता है। हालांकि, मानसून का समय भारतीयों के लिए सावधानी का समय है। बाढ़ और जल भराव से भी बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। बहरहाल, यह भी एक खुशखबरी है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। देश भर में दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा चार प्रतिशत की मॉडल त्रुटि के साथ लंबी अवधि के औसत का 106 प्रतिशत होने की संभावना है। अच्छी बारिश का व्यापक महत्व है, क्योंकि भारतीय कृषि तंत्र भी बहुत हद तक बारिश पर निर्भर है। पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सीधे बारिश से जुड़ाव है और ग्रामों में अगर बारिश की वजह से खुशहाली आती है, तो इससे शहरों को भी लाभ तय है। एक और बात गौर करने की है कि इस बार पहाड़ों और जंगलों में बहुत आग लगी है। उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक से आग की शिकायत आई है। वैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि गरमी के दिनों में जंगलों में लगने वाली आग का असली उपचार बारिश ही है।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

नये एवं विकसित भारत की बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार

(लेखक- ललित गर्ग)

लोकसभा के सातवें चरण के चुनाव होने शेष रहे हैं, सबकी नजरें चुनाव परिणामों पर लगी है। ये चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि नये भारत, विकसित भारत एवं समृद्ध भारत की तस्वीर क्या करवट लेगी। भ्रष्टाचार एवं उससे उपजे हादसों ने चुनाव के दौरान ही ऐसे वीभत्स दृश्य उपस्थित किये, जो चुनावी मुद्दा न बनना एवं राजनेताओं के बीच इनकी चर्चा न होना, दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि हमारी राजनीति अभी भी विकसित भारत के सपने को आकार देने के लिये तैयार नहीं दिख रही है। पुणे पोर्शे कार एक्सीडेंट ने भ्रष्टाचार की इतने परतें खोली दी है कि उसमें न्यायालय, पुलिस, राजनेता, डाक्टर सभी अपना जमीर बेचते हुए दिखाई दिये हैं। इसी तरह राजकोट एवं दिल्ली की अग्निकांडों ने प्रशासन एवं व्यवसाय में पसरे भ्रष्टाचार की काली परतों को उजागर किया है। इस तरह अस्पताल हो चाहे होटल, गेम जोन या मॉल, सुरक्षा इंतजामों, प्रशासनिक जिम्मेदारी एवं ईमानदारी की खुलकर धज्जियां उड़ती रहेगी या पुणे की तरह अब बिकते रहेंगे तो विकसित भारत का सपना कैसे आकार लेगा? छह सौ करोड़ी पिता ने अपने बेटे के अपराध पर पर्दा डालने एवं उसे बचाने के लिये किसको नहीं खरीदा। कैसे जनता की रक्षा होगी एवं उसे न्याय मिलेगा, जब सब बिकने के लिये तैयार बैठे हैं। बेबी केयर अस्पताल हो या राजकोट का गेम जोन का हादसा- किसी की जान की कीमत कागज के चंद टुकड़े कैसे हो सकती है? न्यायालय भी ऐसे मामलों में संज्ञान लेकर शुरुआत तो करता है, लेकिन यह शुरुआत अंजाम तक नहीं पहुंच पाती। हादसे की आंच ठंडी पड़ी नहीं कि मिलीभगत का खेल फिर शुरू हो जाता है। संबंधित अधिकारी भी आंख मूंदकर सो जाते हैं और फिर किसी हादसे के बाद ही उनकी कुंभकरणी नींद खुलती है। इन ज्वलंत एवं भ्रष्ट हालातों में कैसे भारत की तकदीर एवं तस्वीर बदलेगी? भ्रष्टाचार और घोटालों के इस घटाटोप मौसम में ऐसा कुछ भी कह पाना मुश्किल हो गया है, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो चुनावी जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही चुनाव, हादसों एवं भ्रष्टता के मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे चुनावों के तहत तथाकथित नेता द्वारा हजारों जुमलों में किसी समाज व्यवस्था को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का सही समय चुनाव है या ऐसे वीभत्स हादसें एवं भ्रष्टता की अंधी गलियां। भारत दुनिया का गुरु बनने एवं तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, दुनिया भारत के आध्यात्मिक अनुभवों से मोहित है और यह एक पक्की बात है कि धर्म को लेकर जैसा काम भारत में हुआ, वैसा कहीं नहीं हुआ और पिछले दशक में उसे और जीवंतता मिली। लेकिन यह एकांगी महानता है, क्योंकि दुनिया में तरक्की के पैमाने भौतिक हैं और उस मामले में भारत की ताकत सदियों पहले खत्म हो गई थी, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यात्म के साथ उसी भौतिक ताकत को बढ़ा रहे हैं। जहां तक ईमानदारी, निष्ठा और सत्य जैसे मूल्यों का सवाल है, वे कितने हमारी जिंदगी में हैं इसका पता करप्शन के आंकड़ों एवं बार-बार होने वाले हादसों से लग जाता है। हाल के बरसों में जानकारों और मीडिया ने यह बात फैला दी है कि भारतीय इसलिए दुनिया में अनूठे हैं कि वे कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन हमारे देश में ऐसे राजनेता हैं जो दुश्मन देशों की तरफदारी करते हुए लोगों के दिलों को जीतने की जुगाड़ में लगे हैं। ऐसे भी राजनेता है जो भ्रष्टाचार मुक्ति का नारा देते हुए कहते है कि आप हमें वोट देंगे तो हमारा जेल जाना रूक सकता है। यानी खुले आम अपने भ्रष्टाचार एवं घोटालों में भी जन-समर्थन मांग रहे हैं। स्मार्टनेस की इस दुहाई के चलते एक मामूली-से दिखने वाले व्यक्ति ने अब सिलेब्रिटी स्टेटस एवं सफल राजनेता होने की गरिमा को हासिल कर लिया है, और वह है जुगाड़ एवं जनता को गुमराह करने की कला। मैसेज यह है कि जरूरत पड़ने पर हमारे राजनेता किसी भी तरह काम निकाल लेते हैं। अब इस सोच का क्या किया जाए? बात नये भारत एवं विकसित भारत की है, अपने देश में हर तरह के नियम-कानून है, पर उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही अन्य कहीं हो। पुणे, राजकोट और दिल्ली के मामले इकलौते ऐसे प्रकरण नहीं, जिनमें सरकारी तंत्र को जवाबदेही से दूर रखने की कोशिश की गई हो। इस तरह के मामले रह-रहकर होते ही रहते हैं और उनमें बड़ी संख्या में लोग जान गंवाते हैं अथवा घायल होते हैं, लेकिन नियामक तंत्र के उन लोगों को कभी भी कठघरे में नहीं खड़ा किया जाता, जिनकी अनदेखी और लापरवाही के चलते जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं। इसका उदाहरण है मुंबई में एक विशालकाय होर्डिंग गिरने से कई लोगों की मौत। यह विशालकाय होर्डिंग अवैध रूप से था, लेकिन किसी को 'नजर' नहीं आ रहा था। जब यह गिर गया और उसमें कई लोगों की जान चली गई तो सरकारी तंत्र ने उससे अपना पल्ला झाड़ लिया। होर्डिंग लगवाने वाला तो गिरफ्तार हो गया, इसी तरह गेम जोन एवं बेबी केयर अस्पताल के मालिक भी सलाखों के पीछे आ गये, लेकिन नगर निकाय एवं सरकार के किसी अधिकारी-कर्मचारी को गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं समझी गई। कोई नहीं जानता कि क्यों? दिल्ली के ग्यारह सौ से अधिक अस्पतालों में मात्र 190 के पास एनओसी है, यह प्रशासन तले अंधेरा नहीं तो क्या है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र एवं एक बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि सरकारी तंत्र की लापरवाही एवं भ्रष्टता से रह-रहकर हादसे होते रहें और उनमें बड़ी संख्या में लोग मरते रहें। दुर्भाग्य से अपने देश में यही हो रहा है। जब कोई बड़ी घटना घट जाती

है और उसमें अधिक संख्या में लोग मारे जाते हैं तो शोक संवेदनाओं का तांता लग जाता है और तत्काल कार्रवाई करने के नाम पर उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हीं कारणों से वैसी ही घटना फिर सामने आती है, जैसी पहले हो चुकी होती है, इसका मतलब प्रशासन अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह ठीक से नहीं कर रहा है और व्यवसायी प्रशासन की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाते हुए मौत के सौदागर बने रहते हैं। यही कारण है कि न तो हादसे कम हो रहे हैं और न ही उनमें जान गंवाने वालों की संख्या में कमी आ रही है। हादसे दुनिया में हर कहीं होते हैं, लेकिन विकसित और विकासशील देश कम से कम उनसे सबक लेते हैं और ऐसी व्यवस्था करते हैं, जिससे बार-बार एक जैसे कारणों से हादसे न हों। लोकतंत्र एक पवित्र प्रणाली है। पवित्रता ही इसकी ताकत है। इसे पवित्रता से चलाना पड़ता है। अपवित्रता से यह कमजोर हो जाती है। ठीक इसी प्रकार अपराध के पैर कमजोर होते हैं। पर अच्छे आदमी की चुप्पी उसके पैर बन जाती है। अपराध, भ्रष्टाचार अंधेरे में दौड़ते हैं। रोशनी में लड़खड़ाकर गिर जाते हैं। हमें रोशनी बनना होगा और रोशनी भ्रष्टता एवं घोटालों से प्राप्त नहीं होती। भारत में कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है, और यही कारण है कि विकसित देश बनने के संकल्प को साकार करना कहीं अधिक कठिन दिख रहा है। अपने देश में हर तरह के नियम-कानून हैं, राजनेताओं के बड़े-बड़े संकल्प भी है, लेकिन उनके उल्लंघन की जैसी सुविधा यहां है, वैसी शायद ही किसी विकासशील और विकसित राष्ट्र का स्वप्न देखने वाले देश में हो। भारत में लोग किस कदर कदम-कदम पर नियम-कानूनों का धडल्ले के साथ उल्लंघन करते हैं और सरकारी तंत्र में बैठे लोग उनकी मदद करने या फिर उनके अपराध को ढकने के लिए तैयार रहते हैं, इसका शर्मनाक एवं दर्दनाक उदाहरण पुणे का कार हादसा भी है। आज यह स्वीकारते कठिनाई हो रही है कि देश की कानून एवं व्यवस्था को सम्भालने वाले सभी हाथ दागदार हो गए हैं। इस मन:स्थिति के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते हैं। दिन-प्रतिदिन जो सुनने और देखने में आ रहा है, वह पूर्ण असत्य भी नहीं है। पर हां, यह किसी ने भी नहीं सोचा कि जो हाथ प्रशासन, कानून एवं सुरक्षा की बागडोर सम्भाले हुए थे, क्या वे सब बागडोर छोड़कर अपनी जेब सम्भाल लेंगे?

भीषण गर्मी का कारण है ओजोन परत क्षय

(लेखक- संजय गोस्वामी)

ओजोन परत समुद्र सतह से 60 कि.मी. की ऊंचाई तक विविध सांद्रता वाली परतों में पाई जाती है। ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं !ओजोन लेयर ऑक्सीजन गैस का ही एक रूप होता है ! जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु एक साथ जुड़ जाते है तो वो ओजोन का निर्माण करते है !वायुमण्डल में ओजोन गैस का एक छाता सा आवरण पाया जाता है जिसे ओजोन परत या ओजोन मण्डल कह सकते हैं। वायुमण्डल की ऊंचाई 16 से 29 किलोमीटर तक मानी जाती है। तापक्रम तथा वायुमण्डल के कारण वायुमण्डल का परिवर्तन मण्डल, ओजोन मण्डल, समताप मण्डल तथा मध्य मण्डल उर्ध्वाकार विभाजन किया गया है। इसमें प्रमुख है ओजोन परत मण्डल जो ओजोन परत के नाम से जाना जाता है। यह परत पृथ्वी के धरातल से 20..30 कि.मी. की ऊंचाई पर पाई ओजोन परत ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर बनती है। यह परत वायुमण्डल में बहतु कम है जिसका प्रतिषत मात्र 0ण्02: है। यह परत धरती के निकट होती तो इससे मानव के षरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता जिससे मनुश्य अनेक रोगों से पीड़ित हो जाता। जहां यह परत धरती के निकट रहने से वह जीव जंतु आदमी सभी के लिए हानिकारक है, वहीं यह परत वायुमण्डल में ऊपर होने से मनुश्यों के लिए लाभदायक है। सूरज से निकलने वाली सबसे हानिकारक गैस है पैराबैंगनी किरण! पैराबैंगनी किरणे ना ही सिर्फ मनुष्य बल्कि जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक है। सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचाने वाली हमारी जीवन रक्षक परत ओजोन बेहद पतली हो चुकी है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों से धरती को बचाने वाली ओजोन परत में छेद हो चुका है. जब आर्कटिक के ऊपर ओजोन परत में इतना विशाल छिद्र देखा गया है. वैज्ञानिकों को कई तरह की चिंताएं सता रही हैं.ओजोन परत का अध्ययन करने वाले जेट प्रॉपल्सन लैबोरेटरी कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ताजा रिपोर्ट तैयार की है. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स से मिली तस्वीरों के आधार पर रिपोर्ट कहती है कि ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छेद हो चुका है. इसका आकार 2.5 वर्ग किलोमीटर आंका गया है. वैज्ञानिक 1980 से ओजोन परत में हो रहे छिद्र का अध्ययन कर रहे हैं. हर साल ग्लोब के सबसे निचले हिस्से अंटार्कटिका में जाकर ओजोन परत पर नजर रखी जा रही है.रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों को आशंका है कि ओजोन परत का छेद फैलकर दक्षिणी अमेरिका तक पहुंच सकता है और भीषण गर्मी का कारण भी ओजोन लेयर में छेद होना है जी 20 शिखर सम्मलेन में इसपर चर्चा तो

हुई लेकिन उसके उपाय नहीं ढूंढे गए गर्मी से भारत में नार्थ ही नहीं सभी राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है जब हिमाचल जैसी ठंडी जगहों में तापमान 40डिग्री के पार चला गया तो चिंता का विषय है आखिर कहाँ जाएं गर्मी में दिल्ली का तापमान तो 52डिग्री के पार चला गया बिहार के औरंगाबाद में हीट वेब से 17लोगों की मौत हो गई वहींबुधवार को भीषण गर्मी के कारण अलग-अलग स्कूलों में शिक्षक और बच्चे समेत 337 लोग बीमार पड़ गए थे। गुरुवार को 14 लोगों की मौत हो गई थी।रोहतास और बेगुसराय जिलों में संदिग्ध लू से आठ लोगों की मौत की खबर है। फिलहाल मौत के आकड़ो पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। कुछ राज्य जैसे दिल्ली और बिहार में भीषण गर्मी के बीच दिल्ली व बिहार सरकार फिलहाल सभी निजी और सरकारी स्कूलों, कोचिंग संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों को आठ जून तक बंद करने का आदेश दिया।

शरीर में पानी की आवश्यक मात्रा 70ब्होती है और गर्म होने से शरीर का पानी तवचा के छेद से पानी सुखता है और पानी की कमी से शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है जिससे मौत हो जाती है कुछ दिन पहले मुंबई में इतनी अधिक गर्मी पड़ी की रात भर नींद नहीं आया और टेबल फ़ैन लेना पड़ा तब जाकर कुछ आराम मिला।

विचार मंथन

लोकसभा चुनाव 2024 रहा मोदी बनाम जनता

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा चुनाव 2024 इस मोड़ पर पहुंच जाएगा, इसका अंदाजा किसी को भी नहीं था। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नहीं जानते थे कि उन्हें जनता की इस तरह की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा। चुनाव प्रचार के दृष्यों को देखें और विश्लेषण करें तो पाएंगे कि 2024 का लोकसभा चुनाव पूंजीवाद बनाम समाजवाद के नाम पर लड़ा गया है। भारत की 60 फ़ीसदी से अधिक जनता 5 किलो राशन पर गुजारा करने के लिए मजबूर है। बावजूद इसके सरकार उनका मखौल उड़ा रही है। भाजपा के नेता कहते हैं महंगाई-वहंगाई कुछ नहीं है। महंगाई भी विकास का पैमाना है। जैसे विकास हो रहा है वैसे ही महंगाई भी बढ़ेगी। लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी। हकीकत में देखें तो पिछले 10 वर्षों में आमदनी तो बढ़ी नहीं, महंगाई और बेरोजगारी जरूर बढ़ गई। किसानों ने, छात्रों ने एवं अन्य लोगों ने जब इसके लिए आंदोलन किये तो उनकी सरकार ने नहीं सुनी। उल्टा उनसे यह कह दिया गया कि अमीर यदि अमीर हो रहे हैं तो सरकार क्या उन्हें गरीब बना दे। सरकार ने यह कहकर गरीब जो और भी गरीब हो रहे थे उनके घाव में नमक छिड़का। धर्म के नाम पर भारतीय जनता पार्टी और पूंजीपतियों ने उन्हें एक महामानव के रूप में पेश किया था। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पहले तो सर्वशक्तिमान की बनाई गई। लगातार 10 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद प्रधानमंत्री अब स्वयंभू ईश्वर बनने जैसा बर्ताव करते देखे गए हैं। इसका अहसास उन्हें भी संभवत- हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी यह भूल गई कि भूखे पेट भजन ना होय गोपाला। पिछले 10 वर्षों से धर्म के नाम पर जिस धर्म का वादा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से किया था वो वादे इन सालों में तो पूरे नहीं हुए, तब यही जनता जिसने उन्हें सिंहासन पर बैठाया था वहीं सड़कों पर उनके खिलाफ खड़ी हो रही है। इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में सारे राज्यों में विपक्षी दलों की रैली और चुनावी सभा में जिस तरह की भीड़ उमड़ी है उससे एहसास हो रहा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी बनाम जनता के बीच आकर टिक गया है। स्वदेशी जागरण मंच के नाम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुवांशिक संगठन और भाजपा के नेता वैश्विक व्यापार संधि का विरोध कर रहे थे। विदेशी निवेश के खिलाफ आंदोलन चला रहे थे। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की बात कर रहे थे। स्वदेशी जागरण मंच के गोविंदाचार्य भारत में घूम-घूम कर स्वदेशी का प्रचार कर रहे थे। सुषमा स्वराज और उमा भारती जैसी तेज तर्रार महिला नेत्री सारे देश में विदेशी निवेश का विरोध कर रही थीं। उमा भारती ने तो रिटेल व्यवसाय में यदि विदेशी निवेश की अनुमति दी गई तो वह अपने बाल कटा लेंगी और आत्मदाह कर लेंगी, इस तरह के बयान देकर आंदोलन किया था। 2004 से 2014 के 10 साल में कांग्रेस की मनमोहन सरकार विदेशी निवेशकों को लेकर कोई निर्णय नहीं कर पाई थी, जिस कारण अमेरिका के पूंजीपतियों ने मनमोहन सिंह को हटाने के लिए कुचक्र रचा। ऐसे-ऐसे काल्पनिक आरोप लगाए गए जो 10 साल में मोदी सरकार भी प्रमाणित नहीं कर पाई। अदालत में भी आरोपियों को क्लीन चिट मिल गई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूंजीपतियों ने अपना प्रतिनिधि बनाकर प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया। प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने सबसे पहला निर्णय सभी सेक्टर में 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश की अनुमति देने का किया। रक्षा और मीडिया क्षेत्र को भी इससे बाहर नहीं रखा गया। मुकेश अंबानी ने मीडिया में निवेश करके पहले मीडिया पर कब्जा किया। शुरू के 5 साल में सरकार और पूंजीपतियों ने मीडिया को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया। पिछले 10 सालों में यदि किसी का भला हुआ है तो वो मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी समूह का हुआ है। देश की 500 बड़ी कंपनियों के पास 92 फ़ीसदी पूंजी है। अमीर और अमीर होते चले गए, गरीबों को महंगाई और बेरोजगारी के कारण दो वक्त की रोटी मिलना भी मुश्किल हो गई। इसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का कारोबार 10 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शुद्ध मुनाफा भी 1 लाख करोड़ से ऊपर का है। जिस तरह से अनंत अंबानी की प्री वेडिंग सेरिमनी और शादी हजारों करोड़ों रुपए खर्च करके देश और विदेश के कई हिस्सों में आयोजन किये जा रहे हैं उससे सारी दुनिया आश्चर्यचकित है। इसी तरह अदानी समूह का 2014 में कारोबार 1.50 लाख करोड़ का था जो 22 जनवरी को 20 लाख करोड रुपए तक पहुंच गया था। इससे आसानी के साथ समझा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार पूंजी पतियों की सरकार है।

वित्त मंत्री ने कहा- 4 जून के बाद शेयर बाजार में आएगी तेजी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि 4 जून को बीजेपी के लिए एक अच्छा परिणाम आएगा, जिससे शेयर बाजार वास्तव में ऊपर जा सकता है। वित्त मंत्री ने एक साक्षात्कार में यह बात कही। वित्त मंत्री ने एसएंडपी ग्लोबल द्वारा भारत के लिए रेटिंग को स्टेबल से पॉजिटिव किए जाने से जुड़े सवाल के जवाब में अपनी राय दी। बकौल वित्त मंत्री बेशक यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश और अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छा शगुन है। यह पूछे जाने पर कि अगर भाजपा आम चुनाव जीतती है तो क्या 4 जून को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिलेगी, वित्त मंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए अच्छा परिणाम आ रहा है। वित्त मंत्री ने साक्षात्कार में कहा कि यह स्थिरता का संकेत देगा और इसका मतलब शेयर बाजार के लिए अच्छा संदेश होगा।

यह एक ठोस तेजी का बाजार होगा। वैश्विक स्तर पर अस्थिरता एक बहुत बड़ा मुद्दा है, इसलिए यदि बाज़ार इन कारकों को देखें और फिर प्रदर्शन करें, तो घरेलू बाज़ार बाहर की अनिश्चितता के बिल्कुल विपरीत चलेगा। उन्होंने कहा, इसलिए निश्चित रूप से, भारतीय शेयर बाजारों के पास जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ ह और वे पिछले छह से आठ महीनों से दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाजार का अपना दिमाग भी है और वह नहीं चाहता कि एक अस्थिर सरकार सत्ता में आए। उन्होंने कहा कि बाजार अस्थिरता नहीं चाहते, जो कि एक गठबंधन वाली सरकार में होती ही है।

लाल सागर में उथल-पुथल से कंज्यूमर ड्यूरेबल और बढ़ेंगे भाव

नई दिल्ली ।

इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से पिछले एक महीने में कंटेनर 300 फीसदी तक महंगे हो गए हैं।

इसकी वजह से कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियों के पास माल की कमी हो रही है और मजबूर होकर वे अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने की सोच रही हैं। कंपनियों ने दाम बढ़ाने का फैसला तो कर लिया है मगर उनमें से कुछ अभी यह तय नहीं कर पाई हैं कि कंटेनर की बढ़ती लागत का बोझ ग्राहकों पर डालने के लिए दाम कितना बढ़ाया जाए। उपकरण और उनकी डिजाइन बनाने वाली भारतीय कंपनी वीडियोटेक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इजरायल और ईरान के बीच तनाव के कारण लाल सागर में जहाजों का आवाजाही कम हो गई है, जिससे हमारे पास माल का स्टॉक भी कम हो गया है। समूचे चीन खास तौर पर पूर्वी और दक्षिण चीन से जितने माल की मांग की जा रही है, वहां उसके मुकाबले बहुत कम स्टॉक बचा है।

मांग और मौजूद स्टॉक के बीच तालमेल बिगड़ने से माल ढोने वाले कंटेनर 150 से 300 फीसदी महंगे हो गए हैं। इससे कंपनियों और कारोबारियों के लिए कार्गो बुक करना और भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि कंटेनर के किराये हर हफ्ते बढ़ रहे हैं और आगे भी उनमें इजाफा होने की आशंका है क्योंकि माल ढुलाई करने वालों को पता ही नहीं है कि यह दिक्कत कब दूर होगी। इसका असर भारत की कंपनियों पर ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

पेट्रोल और डीजल के भाव नहीं बदले

नई दिल्ली ।

देश की राजधानी दिल्ली समेत अन्य महानगरों में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.85 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.43 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.79 रुपये प्रति लीटर, डीजल 87.83 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर, डीजल 87.76 प्रति लीटर, गाजियाबाद पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर, डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर, मुजफ्फरनगर पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर, डीजल 87.72 रुपये प्रति लीटर, मेरठ पेट्रोल 94.43 रुपये प्रति लीटर, डीजल 87.49 रुपये प्रति लीटर, जोधपुर पेट्रोल 94.43 रुपये प्रति लीटर, डीजल 91.20 रुपये प्रति लीटर, जयपुर पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर, डीजल 90.36 रुपये रुपये प्रति लीटर, पटना पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर, डीजल 92.04 रुपये रुपये प्रति लीटर है।

पिछले वित्त वर्ष निवेशकों ने 27 हजार करोड़ के स्वर्ण बांड खरीदे: आरबीआई

मुंबई ।

निवेशकों ने पिछले वित्त वर्ष में 27,031 करोड़ रुपए के बांड खरीदे जो 2022-23 में खरीदे गए स्वर्ण बांड का चार गुना हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकारी स्वर्ण बांड (एसजीबी) के जरिये 44.34 टन सोने की खरीद 6,551 करोड़ रुपए में की गई। बांड जारी करने वाले रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 के दौरान एसजीबी से जुटाई गई कुल राशि 27,031 करोड़ रुपए है। पिछले वित्त वर्ष में एसजीबी को चार चरणों में जारी किया गया था। नवंबर, 2015 में एसजीबी योजना की शुरुआत के बाद से 67 चरणों में कुल 72,274 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। पिछले एक साल में 24 कैरेट प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 62,300 रुपए से बढ़कर 73,200 रुपए हो गई है। एसजीबी सोने के ग्राम में अंकित होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां हैं। ये भौतिक सोने का विकल्प हैं। ये बांड पूंजीगत लाभ कर से भी मुक्त हैं। इसके अलावा बांड पर शुरुआती निवेश की राशि पर सालाना 2.50 प्रतिशत की दर से ब्याज भी मिलता है। एसजीबी एक ग्राम सोने के मूल्य-वर्ग तथा उसके गुणकों में जारी किए जाते हैं। न्यूनतम निवेश एक ग्राम होना चाहिए जबकि व्यक्तियों के लिए अधिकतम चार किलोग्राम निवेश की सीमा है। सरकारी स्वर्ण बांड राष्ट्रीयकृत बैंकों, अधिसूचित निजी बैंकों, विदेशी बैंकों, नामित डाकघरों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) और अधिकृत शेयर बाजारों के कार्यालयों या शाखाओं के जरिये सीधे या उनके एजेंटों के जरिये बेचे जाते हैं।

मार्च तक 500 के नोट की हिस्सेदारी बढ़कर 86.5 फीसदी हुई: आरबीआई

नई दिल्ली ।

भारत में चलन में मौजूद करेंसी नोटों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी 500 रुपये के नोट की है। आरबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि 500 रुपये मूल्य के नोट की हिस्सेदारी मार्च, 2024 तक बढ़कर 86.5 फीसदी हो गई, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 77.1 फीसदी थी। यानी कि देश में 500 रुपये के नोटों का उपयोग सबसे ज्यादा हो रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक 500 के नोट की हिस्सेदारी में वृद्धि 2000 रुपये के नोट की संख्या में कमी के कारण आई है, जिनकी वित्त वर्ष 2023 में हिस्सेदारी महज 0.2 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 के दौरान 500 रुपये के नोट की संख्या मूल्य के हिसाब से बढ़ी है, जबकि 2,000 रुपये के नोट में तेज गिरावट आई है, जिसकी वजह इसे प्रचलन से बाहर किया जाना है। आरबीआई की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च, 2024 तक मात्रा के हिसाब से 500 रुपये के सबसे ज्यादा 5.16 लाख नोट मौजूद थे।

वहीं 10 रुपये के 2.49 लाख नोट चलन में थे। वित्त वर्ष 2023-24 में चलन में मौजूद बैंक नोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 3.9 फीसदी और 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह बढ़ोतरी क्रमशः 7.8 फीसदी और 4.4 फीसदी रही थी। कीमत के लिहाज से चलन में मौजूद बैंक नोटों की संख्या में बढ़ोतरी, वित्त वर्ष 2024 में पिछले कुछ वर्षों में सबसे कम रही। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई ने नोटों की छपाई पर 5,101 करोड़ रुपये खर्च किए, इससे एक साल पहले की समान अवधि में नोटों की छपाई पर 4,682 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। रिजर्व बैंक ने लोगों के बीच करेंसी के उपयोग को लेकर एक सर्वेक्षण भी किया। इसमें 22,000 से ज्यादा लोगों ने संकेत दिए कि डिजिटल पेमेंट के तरीके लोकप्रिय होने के बावजूद नगदी का चलन अभी भी जारी है।

टाटा मोटर्स के शेयरों को बाय रेटिंग

नई दिल्ली।

ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने टाटा मोटर्स के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। साथ ही टारगेट प्राइस भी 1200 रुपये कर दिया है। गुरुवार को बाजार बंद होने तक टाटा मोटर्स का शेयर एनएसई पर 1.51 फीसदी की गिरावट के साथ 929.35 रुपये पर बंद हुआ। ब्रोकरेज के टारगेट प्राइस के अनुसार इस कीमत पर अगर शेयर खरीदा जाए तो 28 फीसदी से अधिक का मुनाफा हो सकता है। टाटा मोटर्स के शेयरों ने पिछले एक साल में 76 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। इस साल अब तक यह शेयर 17 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। डीवीआर इन्वेस्टर वे लोग होते हैं तो कम वोटिंग राइट्स के बदले भी कंपनी में इन्वेस्ट करते हैं। इन शेयरों को डीवीआर यानी डीफरेंशियल वोटिंग राइट शेयर कहा जाता है। इन निवेशकों के पास आम शेयर खरीदने वाले के मुकाबले कम अधिकार होते हैं। ये शेयर कोई कंपनी तब जारी करती है जब उसे पैसे तो जुटाने हों लेकिन अधिकार बहुत ज्यादा न देने हों।

सेबी ने क्लियरिंग कॉरपोरेशन को मानकों को बदलने निर्देश दिया

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने क्लियरिंग कॉरपोरेशन से कहा कि वह नकदी, सावधि जमाओं और बैंक गारंटी के जरिये बैंकों में अपने लेनदेन में बदलाव लाएं। नए मानकों के अनुसार एएए रेटिंग वाले बैंकों के लिए सभी लिक्विड एसेट को देखते हुए किसी बैंक में एक्सपोजर अब पिछले तीन महीने के औसत दैनिक लेनदेन के 15 प्रतिशत के अंदर रहना चाहिए। वहीं एए रेटिंग वाले बैंकों के लिए यह सीमा 10 प्रतिशत निर्धारित की गई है। बाजार नियामक ने एक्सपोजर के लिए बैंकों के चयन के संबंध में वित्त, पूंजी पर्याप्तता, दीर्घावधि क्रेडिट रेटिंग जैसे मानकों के आधार पर अन्य नियम भी तय किए हैं। एक्सपोजर से संबंधित मानकों में बदलाव के साथ-साथ बाजार नियामक ने सीसी द्वारा स्वीकृत किए जाने वाले मौजूदा कॉलेटरल में भी बदालाव किए हैं। नकदी, बैंक एफडी, बैंक गारंटी, लिक्विड म्युचुअल फंडों या सरकारी प्रतिभूतियों की यूनिट को लिक्विड ऐसेट समझा गया है।

स्काई गोल्ड का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 13.6 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली । आभूषण कंपनी स्काई गोल्ड लिमिटेड का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा दोगुना से अधिक होकर 13.6 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) में मुनाफा 6.1 करोड़ रुपये था। स्काई गोल्ड 18 और 22 कैरेट सोने के हल्के आभूषण बनाती है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आय बढ़कर 513.4 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में यह 269.9 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 40.5 करोड़ रुपये रहा। कुल आय बढ़कर 1,745.5 करोड़ रुपये हो गई। स्काई गोल्ड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि दिसंबर 2023 में कंपनी नवी मुंबई में स्थित एक काफी बड़ी सुविधा में स्थानांतरित हो गई। यह कदम पर्याप्त वृद्धि को बढ़ावा देने में सहायक रहा है।

विपुल ऑर्गेनिक्स का चौथी तिमाही का मुनाफा बढ़कर 1.07 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । विशेष रसायन कंपनी विपुल ऑर्गेनिक्स का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में मुनाफा तीन गुना से अधिक होकर 1.07 करोड़ रुपये रहा। कपंनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 29 लाख रुपये रहा था। विपुल ऑर्गेनिक्स की ओर से जारी एक बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 40.54 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में आय 31.33 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में मुनाफा 3.34 करोड़ रुपये रहा। विपुल ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमने तिमाही और सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि देखी है। हमारी घरेलू बिक्री में तेजी देखी जा रही है। हमें उम्मीद है कि आने वाला साल बेहतर रहेगा क्योंकि हमने कागज, सौंदर्य प्रसाधन और बीज रंगाई जैसे नए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने पिछले साल गुजरात के सयाखा में एक ग्रीनफील्ड सुविधा का शिलान्यास किया था, जिसके 2025-26 में पूरा होने की संभावना है।

जीवीएआई के एआई मॉडन ने गूगल और ओपनएआई को छोड़ा पीछे

मुंबई । घरेलू स्वास्थ्य सेवा स्टार्टअप जीवीएआई ने कहा कि उसके एआई आधारित भाषा शिक्षण मॉडल ने गूगल और ओपनएआई के मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को पीछे छोड़ दिया है। वहां वैश्विक सूचकांक पर नंबर एक स्थान पर आ गया है। यह रैंकिंग ओपन मेडिकल एलएलएम लीडरबोर्ड द्वारा दी गई है। यह स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र-केंद्रित बड़े भाषा मॉडल के प्रदर्शन को 'ट्रैक' और मूल्यांकन करता है। ओपन मेडिकल एलएलएम लीडरबोर्ड को एआई मंच हगिंग फेस, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और ओपन लाइफ साइंस एआई द्वारा होस्ट किया गया है। सह-संस्थापक एवं चेयरमैन जी.वी. संजय रेड्डी ने कहा, यह किसी भारतीय कंपनी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। जीवी में हमारा मिशन दुनिया भर में बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है।

आरबीआई देश के बाहर रुपया खाता खोलने की देगा अनुमति

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (ईएमएस) ने कहा कि वह देश के बाहर रुपया खाता खोलने की अनुमति प्रदान करेगा। यह कदम घरेलू मुद्रा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्रा बनाने की रणनीतिक योजना का हिस्सा है। केंद्रीय बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि उभरते वृहद आर्थिक परिवेश के साथ फेमा परिचालन ढांचे के जुड़ाव पर जोर होगा। इसके साथ विभिन्न दिशानिर्देशों को युक्तिसंगत बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई घरेलू मुद्रा को वैश्विक स्तर पर मुख्य मुद्राओं में शामिल करने के लिए 2024-25 एजेंडा के हिस्से के रूप में भारत के बाहर रह रहे निवासी व्यक्तियों (पीआरओआई) को देश के बाहर रुपया खाता खोलने की अनुमति देगा। रिपोर्ट में कहा गया है, विशेष खातों और विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) के जरिये भारतीय बैंकों के पीआरओआई को रुपये में उधार देना और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और पोर्टफोलियो निवेश को सक्षम बनाना मकसद है। उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) को तर्कसंगत बनाना और फेमा के तहत आईएफएससी (अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र) नियमों की समीक्षा भी चालू वित्त वर्ष के एजेंडा का हिस्सा है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार के निपटान को सक्षम करने के लिए भारतीय रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने की दिशा में नियमों को तर्कसंगत बनाया गया है।

पांच दिन की गिरावट पर ब्रेक.... हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लगा और बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार निवेशक अगले सप्ताह जारी होने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले सावधानी बरत रहे हैं। तीस शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को मजबूती के साथ 74,208 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह ऊपर में 74,478.89 और नीचे में 73,765.15 तक पहुंच गया था। अंत में सेंसेक्स 75.71 अंक चढ़कर 73,961.31 पर बंद हुआ। इस तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 42.05 अंक की बढ़त के साथ 22,530.70 के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर शुक्रवार को सबसे ज्यादा 1.8 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। साथ ही बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एलएंडटी, आईटीसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

वहीं नेस्ले इंडिया, टीसीएस, मारुति, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, टाइटन का शेयर गिरावट में दिखाई दी।

इसकारण शुक्रवार को चढ़ा बाजार

1. हाल ही में घाटे के बाद बैंकिंग और तेल शेयरों में खरीदारी के चलते शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार चढ़कर बंद हुआ।

2. निवेशकों की चुनाव से पहले कारोबार की रणनीति समाप्त

हो गई है और आगे की कार्रवाई के लिए सभी की निगाहें एग्जिट पोल पर है।

चार जून को कैसी रहेगी बाजार की चाल?

बाजार जानकारों का कहना है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर डर और दुनिया भर में प्रतिकूल माहौल के कारण घरेलू बाजार में पांच दिन की गिरावट आई है।

उन्होंने कहा, निवेशक बाजार को लेकर आशावादी है। उनका मानना था कि एनडीए फिर से सत्ता हासिल करेगी। 4 जून को चुनाव नतीजों के दिन सेंसेक्स और निफ्टी के बेंचमार्क में काफी उतार-चढ़ाव हो सकता है, जिसमें ऊंचाई और गिरावट दोनों की आशंका है।

जियो फायनें सियल ने जियोफायनेंस नाम से अपना मोबाइल एप्लीकेशन शुरू किया

नई दिल्ली ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई (एनबीएफसी) जियो फाइनैंशियल सर्विसेस ने जियोफाइनेंस नाम से अपना मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया है। इस ऐप की मदद से कंपनी ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय सेवाएं देगी और भविष्य में म्युचुअल फंडों एवं अन्य वित्तीय साधन गिरवी लेकर ऋण की भी पेशकश करेगी।

यह ऐप डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई के माध्यम से लेनदेन, बिल निपटान, बीमा सलाह आदि खंडों में सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इस ऐप में ग्राहक अपने खाते एवं बचत से जुड़ी जानकारियां भी देख पाएंगे। कंपनी आने वाले समय मे ऋण सुविधा भी देगी और इसकी शुरुआत म्युचुअल फंड के बदले ऋण देने के साथ करेगी। इस ऐप में डिजिटल खाते तत्काल खोले जा सकेंगे।

यह ऐप बीटा संस्करण में शुरू किया जा रहा है। कंपनी इसके उपयोगकर्ताओं से उनकी प्रतिक्रिया लेकर ऐप को और बेहतर बनाने में करेगी। इस बारे में कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हमारा मूल लक्ष्य वित्त से जुड़ी हरेक चीजों को सरल बनाना है और यह काम

एक ही ऐप के माध्यम से होगा। इस ऐप की मदद से ऋण आवंटन, निवेश, बीमा, भुगतान एवं लेनदेन की सुविधाएं दी जाएंगी। कुल मिलाकर हम वित्तीय सेवाएं अधिक पारदर्शी और कम खर्च पर उपलब्ध कराएंगे।

इस समय आदित्य बिड़ला कैपिटल अपने ऐप्लिकेशन आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल पर कई किस्म की वित्तीय सेवाएं ग्राहकों को दे रही है। यह ऐप अप्रैल 2024 में शुरू हुआ है। बजाज फिनसर्व ने भी बजाज फिनसर्व ऐप के नाम से ऐप शुरू किया है जो उधारी एवं निवेश से जुड़ी सेवाओं की पेशकश करता है।

घरेलू यात्री वाहन की ब्रिकी कुछ सालों में 50 लाख के आंकड़े को पार करेगी: चंद्रशेखरन

मुंबई ।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि घरेलू यात्री वाहन (पीवी) खंड में अगले कुछ वर्षों में वार्षिक बिक्री 50 लाख के आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। इतना ही नहीं टाटा मोटर्स इस वृद्धि अवसर का लाभ उठाने को तैयार है। वित्त वर्ष 2023–24 की वार्षिक रिपोर्ट में कंपनी के शेयरधारकों को दिए संदेश में चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी भविष्य में अपने सभी व्यवसायों में राजस्व वृद्धि और मजबूत मुक्त नकदी प्रवाह पर ध्यान केंद्रित करेगी। चंद्रशेखरन ने कहा, भारत अगले कुछ वर्षों में यात्री वाहनों की बिक्री के 50 लाख के आंकड़े को पार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 41 लाख था। उन्होंने कहा कि वाहनों की बिक्री के अलावा, वाहन पार्क से जुड़े कारोबार जैसे कि स्पेयर पार्ट्स, डिजिटल और स्मार्ट मोबिलिटी समाधान पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिससे वाहन बिक्री कारोबार की अस्थिरता को कम करने में मदद मिलेगी।

अफगानिस्तान टीम ने अच्छे अच्छो का किया खेल खराब

-टी-20 वर्ल्ड कप में मजबूत टीम के तौर देखा जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान की टीम क्रिकेट जगत में दिन ब दिन एक मजबूत टीम के रुप में उभर रही है। अफगान टीम ने पिछले कुछ सालों से खास तौर से वनडे और टी20 फॉर्मेट में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि 2 जून से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को एक मजबूत टीम रूप में देखा जा रहा है जो बड़ी-बड़ी टीमों को टक्कर दे सकती है। ऐसा अफगान टीम ने भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में पाकिस्तान के साथ किया भी था। अफगानिस्तान पांच खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप में बड़ी-बड़ी टीमों का खेल बिगाड़ सकते हैं।

दुनिया के सबसे खतरनाक स्पिनर्स में एक राशिद खान अपनी टीम के लिए टी20 विश्व कप में कुछ नया कारनामा कर सकते हैं। राशिद ने अपनी फिरकी गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशानी में डाल रखा है जो आज तक उनकी फिरकी को समझ नहीं पा रहे हैं। खास तौर से टी20 फॉर्मेट में उनका कोई जवाब नहीं है। इस फॉर्मेट में 85 टी20 मैच में 138 विकेट अपने नाम कर चुके हैं।

अफगानिस्तान टीम के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी टी20 विश्व कप में अपनी तूफानी बैटिंग के साथ गेंदबाजी में धमाल मचा सकते हैं। बेहतरीन फिरकी गेंदबाजी के साथ नबी ने बल्लेबाजी में भी खूब धूम मचाई है। टी20 फॉर्मेट में उन्होंने 121 मुकाबलों में 6 फिफ्टी के साथ 2109 रन बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में उन्होंने 93 विकेट लिए हैं।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर और बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को कम नहीं आंका जा सकता। नई गेंद से गुरबाज बहुत ही विस्फोट अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। हाल ही में आईपीएल फाइनल में भी गुरबाज ने केकेआर के लिए बेहतरीन खेला था। टी20 फॉर्मेट में गुरबाज ने 55 मैचों में 1376 रन बनाए हैं।

वहीं टीम के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई अपनी तेज गेंदबाजी से बड़ी बड़ी टीमों का खेल खराब कर सकते हैं। उमरजई अब तक 36 मैचों में 26 विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा आईपीएल में वह गुजरात टाइटंस के लिए खेले थे और उन्होंने 7 मैचों में 4 विकेट लिए थे। नई गेंद से अजमतुल्लाह उमरजई बेहतरीन गेंदबाजी करते हैं।

अफगानिस्तान टीम के लेफ्ट आर्म स्पिनर नूर अहमद ने हाल ही में आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए शानदार खेल का प्रदर्शन किया था। नूर को गुजरात के लिए 10 मैचों में खेलने

का मौका मिला था, जिसमें उन्होंने 8 विकेट लिए थे। वहीं नूर ने अफगानिस्तान की तरफ से खेलते हुए 7 मैचों में 6 विकेट झटके थे। ऐसे में टी20 विश्व कप में भी नूर अपनी टीम के लिए उलट फेर कर सकते हैं।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को चौथा टी20 मैच भी हराया, सीरीज जीती

-टी20 विश्व कप से पहले बाबर ब्रिगेड का प्रदर्शन निराशाजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भी हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पाकिस्तान टीम ने सीरीज गंवा दी है। इंग्लैंड-आयरलैंड दौरा पाकिस्तान टीम के लिए बहुत ही खराब रहा है। बाबर ब्रिगेड इंग्लैंड में एक भी मैच नहीं जीत पाई और सीरीज के 2 मैच इंग्लैंड ने जीते और 2 मैच बारिश के कारण नहीं हो सके। आयरलैंड ने भी पाकिस्तान को हराया था। पाकिस्तान और इंग्लैंड का चौथा टी20 मैच लंदन के द ओवल में खेला गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 157 रन ही बना सकी। इंग्लैंड ने 15.3 ओवर में ही 3 विकेट खोकर आसानी से मैच जीत लिया।

इंग्लैंड की ओर से फिल सॉल्ट टॉप स्कोरर रहे। फिल सॉल्ट ने 24 गेंद पर 45 रन बनाए। वहीं जॉस बटलर ने 21 गेंद पर 39 रन की पारी खेली। कप्तान बटलर और फिल सॉल्ट ने महज 6.6 ओवर में 82 रन की पार्टनरशिप की। बटलर और फिल सॉल्ट के आउट होने के बाद जॉनी बेयरस्टो और विल जैक्स खेलने आए। बेयरस्टो ने 16 गेंद पर 28 और विल जैक्स ने 18 गेंद पर 20 रन बनाए। विल जैक्स के आउट होने के बाद हैरी ब्रूक ने 14 गेंद पर 17 रन की नाबाद पारी खेली।

पाकिस्तान की ओर से हैरिस रऊफ ही विकेट ले सके। उन्होंने 3.3 ओवर में 38 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, मोहम्मद आमिर को एक भी विकेट नहीं मिल सका। पाकिस्तान के बल्लेबाज मैच में आपना कमाल नहीं दिखा सके। उस्मान खान ने 38 और बाबर ने 36 रन बनाकर टीम को सम्मानजरक स्कोर पर पहुंचाया। टीम का कोई और बल्लेबाज 25 की रनसंख्या पार नहीं कर सका। मोहम्मद रिजवान ने 23, इफ्तिखार अहमद ने 21 और नसीम शाह ने 16 रन बनाए। इंग्लैंड के गेंदबाजों में मार्क वुड, आदिल राशिद और लिविंग लिविंग्सटोन ने 2-2 विकेट लिए। इसी तरह पाकिस्तान ने चौथा टी20 मैच भी गंवा दिया और सीरीज हार गई।

वॉटसन ने विराट और धोनी को मानसिक रूप से बेहद मजबूत क्रिकेटर बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने कहा है कि उन्होंने अब तक अपने करियर में जितने मानसिक रूप से मजबूत क्रिकेटरों को देखा है। उनके विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी सबसे

आगे हैं। विराट ने आईपीएल के इस सत्र में जिस प्रकार सबसे अधिक रन बनाये हैं वह दिखाता है कि वह खेल के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं। वॉटसन ने कहा , विराट मानसिक रूप से बहुत मजबूत हैं। वह पूरी तरह से समझते हैं कि खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण कैसे लाया जाए, जो कि लड़ाई में शामिल होना है, वह हर खेल के हर पल में पूरी तरह से शामिल रहते हैं। वह लगभग हर खेल में जो तीव्रता लाते हैं, वह अलौकिक है। उन्होंने कहा, वास्तव में केवल कुछ अन्य लोग हैं जिनके साथ मैंने खेला है या जिनके खिलाफ खेला है, जिनके पास हर खेल के हर पल में लगातार तीव्रता थी। इसलिए विराट के बारे में यह कुछ ऐसा है, जिसे हमने इस आईपीएल में देखा है कि वह कितने व्यस्त हैं। यही कारण है कि वह इतने लंबे समय तक ऐसे उच्च प्रदर्शन को बनाए रखने में सक्षम है। वहीं दूसरी ओर, 42 साल के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज धोनी ने हाल ही में समाप्त हुए टूर्नामेंट में चोटिल होने के बाद भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 14 पारियों में 161 रन बनाए। इसमें 14 चौके और 13 छक्के लगाकर उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन भी किया। वह अभी भी पूरी तरह से व्यस्त है और अपने पर भरोसा कर रहा है क्योंकि यह पहले से कहीं ज्यादा बेहतर हुए हैं। वॉटसन ने कहा, 42 साल की उम्र में भी वह अभी भी जानता है कि अपने दिमाग को कैसे शांत रखना है ताकि वह अपने उन कौशलों तक पहुंच सके।

टीम इंडिया को मिल रही औसत सुविधाएं, कोच द्रविड़ नाखुश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। टीम इंडिया टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 के लिए यूएसए में पहुंच गई है, लेकिन वहां अभ्यास सत्र के दौरान उन्हें औसत सुविधाएं मिली, जिससे टीम के कोच राहुल द्रविड़ नाराज हो गए। माना जा रहा है कि कोच द्रविड़ ने टीम को दी गई औसत सुविधाओं पर नाराजगी जाहिर की है। रोहित की कप्तानी में टीम नेट सत्र पर एकत्र हुई और अस्थायी स्थल पर उपलब्ध छह ड्रॉप-इन पिचों में से तीन का उपयोग किया। कहा गया कि पिचों से लेकर अन्य सुविधाओं तक सब कुछ अस्थायी है। यह कहना सुरक्षित है कि प्रकृति में सब कुछ बहुत औसत है। टीम ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

भारत अपना एकमात्र अभ्यास मैच 1 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और तब तक वह कैंटियाग पार्क में ही अभ्यास करेगा। मेन इन ब्लू के लिए यह एकमात्र प्रशिक्षण सुविधा होगी। इसके बाद वह अपने 4 ग्रुप मैचों में से 3-पाकिस्तान, अमेरिका और आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क में खेलेगी। अंत में

कनाडा के खिलाफ आखिरी गेम फ्लोरिडा में होगी। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में कोई अभ्यास सुविधा नहीं है और मॉड्यूलर स्थल का उपयोग केवल मैचों के लिए किया जाएगा। वैश्विक संस्था ने कैटियाग पार्क को टीमों के लिए आधिकारिक प्रशिक्षण सुविधा के रूप में नामित किया है और यह स्थल स्टेडियम से काफी दूरी पर है।

टी20 विश्व कप के शुरूआती मुकाबले यूएसए में होने हैं, लेकिन इसके लिए अभी तक स्थितियां आदर्श नहीं बन पाई हैं। बीते कुछ दिनों से विभिन्न क्षेत्रों में तूफान और बारिश का सामना करना पड़ रहा है। डलास में तूफान से टी20 वर्ल्ड कप के आयोजन स्थल को भी नुकसान पहुंचा है। ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में एक विशाल अस्थायी एलईडी स्क्रीन तूफान से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यही नहीं, टी20 विश्व कप के अभ्यास मैचों पर भी इसका प्रभाव पड़ा है। कुछ टीमों के अभ्यास मैच रद्द हो गए हैं।

ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में होने वाले मुकाबले

1 जूनः बनाम बांग्लादेश, न्यूयॉर्क, रात 8 बजे (वार्म-अप)
5 जूनः बनाम आयरलैंड, न्यूयॉर्क, रात 8 बजे (ग्रुप स्टेज)
9 जूनः बनाम पाकिस्तान, न्यूयॉर्क, रात 8 बजे (ग्रुप स्टेज)
12 जूनः बनाम यू.एस.ए., न्यूयॉर्क, रात 8 बजे (ग्रुप स्टेज)
15 जूनः बनाम कनाडा, फ्लोरिडा, रात 8 बजे (ग्रुप स्टेज)

न्यूजीलैंड की विकेटकीपर बल्लेबाज बर्नाडाइन बेजुइडनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंग्टन - न्यूजीलैंड की महिला टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज बर्नाडाइन बेजुइडनहाउट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। बेजुइडनहाउट ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के बयान में कहा, 'यह बहुत शानदार सफर रहा है।' उन्होंने कहा, 'व्हाइट फर्न्स के लिए खेलना मेरे लिए बहुत बड़े सौभाग्य और सम्मान की बात रही है और इसने मुझे बहुत अच्छी यादें दी हैं। इस यात्रा ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं उन सभी का हमेशा आभारी रहूंगा जो मेरे साथ इस राह पर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं इस फैसले से संतुष्ट हूं, लेकिन यह निर्णय लेना आसान नहीं था।' उन्होंने कहा, 'मैं पिछले कुछ समय से अपने काम और खेल करियर के बीच संतुलन बनाने के लिए संघर्ष कर रही हूं और बहुत सोच-विचार तथा चिंतन के बाद मुझे लगता है कि यह सही समय है कि मैं अपना पूरा ध्यान द एपिक स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट पर लगाऊं।'

प्रज्ञानंदा नें कार्लसन को हराया ,पहली बार क्लासिकल में कार्लसन से जीते

ओस्लो । दुनिया के सबसे मजबूत शतरंज टूर्नामेंट में से एक नॉर्वे शतरंज के तीसरे राउंड में भारतीय ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानंदा ने पाँच बार के विश्व चैम्पियन और एक दशक से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मेजबान नॉर्वे के मैगनस कार्लसन को पराजित किया और साथ ही नॉर्वे शतरंज में एकल बढ़त हासिल कर ली है । प्रज्ञानन्दा फिलहाल जीत से 3 अंक हासिल करते हुए 5.5 अंक बनाकर सबसे शीर्ष पर है । वहीं दिन का दूसरा बड़ा परिणाम हासिल किया यूएसए के विश्व नंबर दो खिलाड़ी फबियानो करूआना नें जिन्होंने वर्तमान विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लीरेन को पराजित कर 5 अंक बनर्क दूसरा स्थान हासिल कर लिया है । तीसरे मुकाबले में यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को क्लासिकल मुक़ाबला ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक में मात देते हुए 4 अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है । फिलहाल टूर्नामेंट में सात राउंड और खेले जाने बाकी है । वहीं महिला वर्ग में भारत की आर वैशाली नें पहले हमवतन कोनेरु हम्पी को पराजित कर 3 अंक हासिल किए और फिर अगले राउंड में उक्रेन की एना मुजयचूक से क्लासिकल ड्रॉ करने के बाद टाईब्रेक जीतकर अपने भाई की ही तरह 5.5 अंक बनाकर टूर्नामेंट में एकल बढ़त पर आ गई है ।

रियान को आने वाले समय में भारतीय टीम में जगह मिलने का भरोसा

मुंबई । घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज रियान पराग को भरोस है कि एक न एक दिन उन्हें टीम इंडिया में जगह मिलेगी। रियान ने इस सत्र में आईपीएल सीजन राजस्थान रॉयल्स के लिए आक्रामक बल्लेबाजी करने के अलावा घरेलू क्रिकेट में 500 से ज्यादा रन बनाये हैं। पराग को अपने कौशल और क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। इस क्रिकेटर का मानना है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से खेलेंगे। रियान ने राजस्थान रॉयल्स के लिए चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए आईपीएल के इस सत्र में 150 के करीब स्ट्राइक रेट से 573 रन बनाये हैं। पराग ने कहा, ''जब मैं रन नहीं बना रहा था तो भी मैंने कहा था कि एक दिन मैं भारत के लिए जरूर खेलूंगा। यह मेरा खुद पर विश्वास है। यह मेरा घमंड नहीं भरोसा है। साथ ही कहा कि जब मैंने 10 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब मेरे पिता के साथ मेरी यही योजना थी।'' ऐसी संभावना है कि रियान को अभिषेक शर्मा और हर्षित राणा के साथ जिम्बाब्वे दौर के लिए शामिल किया जाएगा। इस क्रिकेटर ने कहा, ''कि अब उन्हें अवसर मिलेगा ये वह कह नहीं सकते क्योंकिं ये काम चयनकर्ताओं का है।''

विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने धो डाला

-टी20 वर्ल्ड कप से पहले वॉर्मअप मैच में दिखाई अपनी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के इरादे से वेस्टइंडीज पहुंची ऑस्ट्रेलिया टीम को जोरदार झटका लगा है। मेजबान वेस्टइंडीज ने वॉर्मअप मैच में ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह हराया है। ऑस्ट्रेलिया को हार से ज्यादा इस बात की चिंता सता रही है कि गेंदबाजों की बुरी तरह पिटाई हुई। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 विकेट पर 257 रन बनाए। निकलस पूरन के बल्ले ने मैदान पर तहलका मचा दिया। पूरन ने 25 गेंद में 75 रन ठोके। उन्होंने 25 में से 13 गेंदों को बाउंड्री पार कराई, जिसमें 8 छक्के शामिल थे।

टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से महज दो दिन पहले मेजबान वेस्टइंडीज ने अपनी तैयारियों का ट्रेलर दिखा दिया। विंडीज की

टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वॉर्मअप मैच में 257 रन बनाए जिसमें पूरन को कप्तान रोवमन पॉवेल का साथ मिला। पॉवेल ने 25 गेंद पर 50 रन बनाए। शेरफन रदरफोर्ड ने 18 गेंद पर 42 और जॉनसन चार्ल्स ने 31 गेंद पर 40 रन की पारी खेली। शिमरन हेटमायर 18 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मुकाबले में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क के बिना उतरी थी उनकी कमी टीम को खली। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट पर एडम जम्पा ने लिए इसके लिए उन्हें 62 रन देने पड़े। एश्टन एगर और टिम डेविड ने एक-एक विकेट लिया।

258 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम पूरे मैच में कभी भी जीत के करीब नहीं दिखी। उसके ओपनर डेविड वॉर्नर ने 6 गेंद पर 15 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन ज्यादा नहीं खेल पाए। दूसरे ओपनर एश्टन एगर 13 गेंद पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। तीसरे नंबर पर मैदान में उतरे कप्तान मिचेल मार्श 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 60 रन में 3 विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियन टीम की ओर सिर्फ जोश इंग्लिस (55) ही अर्धशतक बना पाए। टिम डेविड और मैथ्यू वेड 25-25 रन बना पाए।

तेज गेंदबाज नाथन एलिस और एडम जम्पा ने आखिरी ओवरों में अच्छे हाथ दिखाए, लेकिन इससे मैच पर कोई असर नहीं हुआ। एलिस ने 22 गेंद पर 39 और जम्पा ने 16 गेंद पर 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 222 रन ही बना सकी। वेस्टइंडीज के लिए गुडाकेश मोती और अल्जारी जोसेफ ने 2-2 विकेट लिए। अकील हुसैन, शमार जोसेफ और ओबेद मैकाय को एक-एक विकेट मिला और इंडीज ने मैच जीत लिया।

नॉर्वे शतरंज : वैशाली ने क्रैमलिंग को हराया, प्रज्ञानानंदा हारे

स्टवांगर (नॉर्वे) । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने स्वीडन की अनुभवी ग्रैंडमास्टर पिया क्रैमलिंग को हराकर नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, लेकिन उनके भाई आर प्रज्ञानानंदा चौथे दौर में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा से हार गए। वैशाली की क्लासिकल वर्ग में यह दूसरी जीत है और उन्होंने 2.5 अंक की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। इस भारतीय खिलाड़ी के कुल 8.5 अंक हो गए हैं। उनके बाद महिला विश्व चैंपियन चीन की वेनजुन जू और यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। मुजिचुक ने भारत की कोनेरू हंपी को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि वेनजुन ने आर्मगेडन में अपनी हमवतन टिंगजी लेई को हराया। छह खिलाड़ियों के बीच दोहरे राउंड रोबिन आधार पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में अभी छह दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। लेई पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। हंपी और क्रैमलिंग के तीन-तीन अंक हैं। पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी फैबियानो कारूआना के को हराया। पुरुष वर्ग में इस दिन सभी मैच का परिणाम निकला। भारतीय स्टार प्रज्ञानानंदा को जहां नाकामुरा से हार का सामना करना पड़ा वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा ने चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेन को हराया। इस 1,61,000 डालर इनामी इस प्रतियोगिता में चौथे दौर के बाद नाकामुरा सात अंक लेकर शीर्ष पर बने हुए हैं। वह अलीरेजा से आधा अंक आगे हैं। कार्लसन के 6 अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि प्रज्ञानानंदा 5.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। कारूआना पांच अंकों के साथ पांचवें जबकि लीरेन केवल 2.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

नोर्किया से टी20 विश्वकप में भारत सहित सभी टीमों को रहना होगा सतर्क

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया का प्रदर्शन हाल में समाप्त हुए आईपीएल में अच्छा नहीं रहा है पर टी20 विश्वकप में भारत सहित सभी टीमों को उससे सतर्क रहना होगा। नोर्किया आईसीसी मुकाबलों में बेहद कसी हुई गेंदबाजी करते रहे हैं। इसके साथ ही विकेट लेने की क्षमता के कारण भी वह घातक साबित होते हैं। आईपीएल में जिस प्रकार उनकी पिटाई हुई और वह विकेट के लिए तरसते दिखे उसी को ध्यान रखने हुए विश्वकप में उनकी उपेक्षा भारी पड़ सकती है। आईपीएल 2024 में दिल?ली कैपिटल?स की ओर से 6 मैच खेलकर नोर्किया केवल 7 विकेट हासिल कर सके।

इस दौरान उनकी इकोनॉमी 13.36 की रही यानी प्रति ओवर उन्होंने 13 से अधिक रन दिये। नोर्किया के सामने अब इस खराब दौर को भूलकर टी20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती है। टी20 विश्कप के आंकडों पर नजर डालें तो नोर्किया का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने 10 मैचों में 9.90 के औसत और 5.37 की इकोनॉमी से 20 विकेट लिए हैं। वहीं साल 2021 में हुए टी20 विश्वकप में नोर्किया ने 5 मैचों में 11.55 के औसत और 5.37 की इकोनॉमी से 9 विकेट हासिल किए थे। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8 रन देकर 3 विकेट था जो उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ किया था। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ मैचों में भी उन्होंने काफी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट लिए थे। वहीं 2022 के टी20 विश्वकप में उन्होंने 5 मैचों में ही 8.54 के औसत और 5.37 की ही इकोनॉमी से 11 विकेट लिए थे। इस बार वह बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में चार-चार विकेट लेने में सफल रहे थे। टी20 वर्ल्डकप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकार्ड नोर्किया के ही नाम पर है। उन्होंने बांग?लादेश के खिलाफ दस रन देकर चार विकेट लिए थे। वैसे नोर्किया ने अब तक तीनों फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। 19 टेस्ट में 26.71 के औसत से 60 विकेट, 22 एकदिवसीय में 27.27 के औसत से 36 विकेट और 33 टी20 में 21.44 के औसत से 38 विकेट उनके नाम हैं।

टी20 विश्वकप से पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम में उठे कोटा विवाद से डिविलियर्स निराश

जोहान्सबर्ग । टी20 विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में केवल एक ही अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किये जाने पर विवाद उठा है और कई लोगों का कहना है कि इस प्रकार से टीम चयन को सही नहीं कहा जा सकता है। उनका आरोप है कि अश्वेत खिलाड़ियों की जानबूझकर उपेक्षा हुई है। वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इससे इंकार करते हुए कहा है कि इस वर्ग के बेहतर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। वहीं विश्वकप से ठीक पहले उठे इस विवाद को दिग्गज पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने निराशाजनक बताया है। डिविलियर्स ने कहा है कि टीम में ऐसे समय में नस्ली कोटा को लेकर बात करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें पहले भी उठती रही हैं वह इस बात से खुश हैं कि अब वह टीम में नहीं हैं और केवल एक दर्शक के तौर पर इसे देखेंगे। डिविलियर्स ने कहा, 'कोटा पर ध्यान केंद्रित करते हुए टूर्नामेंट में जाना शर्मनाक है। मेरा मतलब है कि यह कोई नई बात नहीं है, यह सिर्फ एक शर्म की बात है। डिविलियर्स ने कहा, 'सौभाग्य से इस बार मेरा वहां कुछ भी लेना-देना नहीं है। मैं सिर्फ एक दर्शक हूं। दक्षिण अफ्रीका को हमेशा से ही 'चोकर माना जाता रहा है जो दबाव में बिखर जाती है। टीम टूर्नामेंट से पहले प्रबल दावेदारों में शामिल होती है पर अहम मुकाबलों में असफल रहती है। साथ ही कहा कि विश्व कप में अभियान शुरू होने से कुछ दिन पहले किसी विवादास्पद विषय को उठाना ठीक नहीं कहा जा सकता है। वर्ष 2016 में शुरू की गई कोटा नीति के अनुसार एक सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका की एकादश में छह अश्वेत खिलाड़ियों का होना जरूरी है जिसमें दो अश्वेत अफ्रीकी समुदाय के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

युवराज सिंह फिर से उतरेंगे मैदान पर, इंगलैंड में इस टीम की करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को 2007 में टी20 विश्व कप और 2011 में एकदिवसीय विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज युवराज सिंह की कप्तानी में भारत की पूर्व खिलाड़ियों की टीम 'इंडिया चैंपियंस' जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाली 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स' में चुनौती पेश करेगी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी।

'इंडिया चैंपियंस' टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मैच एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। 'इंडिया चैंपियंस' की जर्सी के अनावरण के मौके पर शुक्रवार को यहां टीम के मालिकों के साथ रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा मौजूद थे।

रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर रोमांचित है। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है लेकिन दिल से कभी क्रिकेट नहीं छूटेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' के लिए 'इंडिया चैम्पियंस' की टीम

युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लाइलाज नहीं ब्रेन ट्यूमर

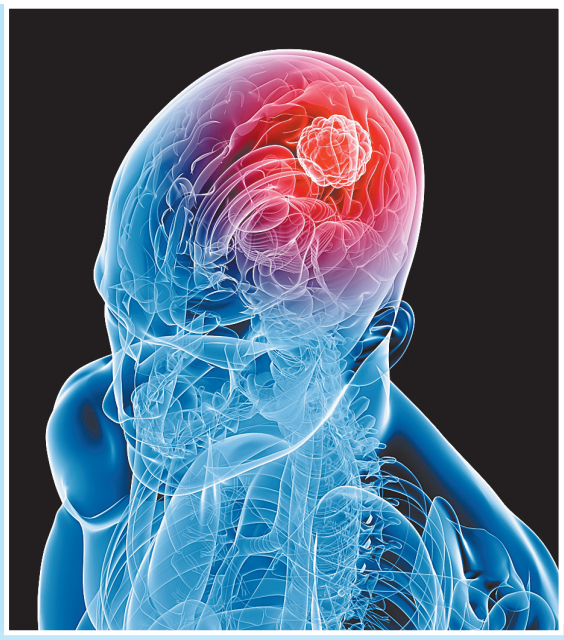

ब्रेन ट्यूमर दिमाग में होनेवाली गांठ है, जो कैंसरस भी हो सकती है और नॉन कैंसरस भी. आज चिकित्सा के क्षेत्र में हुई तकनीकी विकास के कारण विभिन्न जांचों की सहायता से इसकी सही स्थिति का अनुमान सहज लगाना संभव है, साथ ही सजर्री की आधुनिक विधियों से इसका पूरा उपचार भी संभव है.

माइग्रेन भी है लक्षण

माइग्रेन भी ब्रेन ट्यूमर के प्रारंभिक लक्षणों में से एक हो सकता है. हालांकि यह पुरुषों से अधिक महिलाओं में होता है. माइग्रेन अटैक यदि महीने में चार या पांच बार आता है और अटैक के पैटर्न में कोई बदलाव नजर आता है, तो यह ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है. अत- तुरंत डॉक्टर की सलाह पर सीटी स्कैन व एमआरआइ आदि जांच कराएं ताकि सही कारणों का पता लग सके और समय रहते इलाज शुरू हो सके.

जेनेटिक भी संभव

यदि परिवार में किसी को पहले से ब्रेन ट्यूमर है, तो परिवार के अन्य सदस्यों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. गर्भावस्था में भी कुछ टेस्टों की मदद से यह पता लगाया जा सकता है कि गर्भ में पल रहे बच्चे को कौन-सी बीमारी है. गर्भ में ही इन बीमारियों का इलाज भी संभव है. अत- आप पहले से ही सावधानी बरतें.

सजर्री की प्रक्रिया व लाभ

यह सर्जरी अत्यंत सुरक्षित और कारगर है. इस सर्जरी में अन्य सर्जरी के मुकाबले मस्तिष्क में छोटा छिद्र किया जाता है, जिससे इंडोस्कोप को मस्तिष्क के अंदर भेजा जा सके. इस सर्जरी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इस तकनीक का इस्तेमाल करके दिमाग के रिट्रैक्शन से बचा जा सकता है, क्योंकि अन्य तकनीक के मुकाबले इस प्रक्रिया में कम रिट्रैक्शन होता है.

इस सर्जरी में टिशू भी आसानी से दिखाई देते हैं, जिससे इलाज करने में काफी आसानी होती है. इस सर्जरी में 6 एमएम का एक अति महीन छिद्र किया जाता है. मस्तिष्क के अंदर पाये जानेवाले कोलॉयड सिस्ट ही ट्यूमर को जन्म देते हैं. ये दिमाग के संवेदनशील क्षेत्र में स्थित होते हैं और इनके आकार में वृद्धि होने पर ये खतरनाक होते जाते हैं. इंडोस्कोप को छिद्र के माध्यम से मस्तिष्क में पहुंचा कर कोलॉयड सिस्ट को पूरी तरह से हटाया जाता है. सर्जरी की प्रक्रिया बेहद छोटी और कष्टरहित होती है.

बरतें सावधानी

इस रोग में अपने खान-पान का ध्यान रखना भी जरूरी है. वजन को नियंत्रित रखें. इसके अलावा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है. इसके कारण शरीर के अन्य हिस्सों पर भी प्रभाव पड़ता है. इसके दौरान दिमाग पर सूजन होना भी आम बात है. अत ट्रीटमेंट के दौरान भी सावधानी बरतें.

इंडोस्कोपिक सर्जरी है कारगर

अब ब्रेन ट्यूमर जानलेवा बीमारी नहीं रह गयी है, क्योंकि वर्तमान में ब्रेन ट्यूमर का संपूर्ण इलाज संभव है बशर्ते समय पर उपचार शुरू किया जाये. चिकित्सक बताते हैं कि ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए कई तकनीकें ईजाद हो चुकी हैं, जिनमें रेडियो सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, रोबोटिक सर्जरी प्रमुख हैं. इन तकनीकों से ब्रेन ट्यूमर का इलाज काफी सुरक्षित और कारगर माना गया है.

ब्रेन ट्यूमर के इलाज के लिए वर्तमान में सबसे ज्यादा प्रचलित इंडोस्कोपिक सर्जरी है. यह सर्जरी कष्टरहित तो है ही, साथ ही इसके परिणाम भी अन्य सर्जरी से काफी बेहतर आते हैं.

सीटी स्कैन के प्रभाव

ब्रेन कैंसर कितना बढ़ गया है या उसकी क्या स्थिति है, यह जानने के लिए सीटी स्कैन, एमआरआइ, एक्स-रे और एंजियोग्राम की मदद ली जाती है. ट्यूमर की शंका होने पर सबसे पहले सीटी स्कैन की जाती है. सीटी स्कैन के नाम पर लोगों के जेहन में यह बात उठने लगती है कि सीटी स्कैन तो शरीर पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे निकलनेवाली घातक किरणों से कैंसर होने तक का खतरा हो सकता है. हाल ही में हुए शोधों में भी यह साबित हो चुका है. इसके प्रभाव को जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि इसके लिए किस प्रक्रिया को अपनाया जाता है. सीटी स्कैन एक कंप्यूटराइज एक्सीयल टोमोग्राफी स्कैन है, जो एक्स-रे की सीरीज है, जिसके जरिये ब्रेन के हिस्सों को देखा जा सकता है. इतना ही नहीं, ब्रेन के ढांचे को अच्छी तरह से जांचने के लिए 3डी तसवीरों के रूप में देखा जा सकता है. हालांकि ब्रेन कैंसर के दौरान सीटी स्कैन करने के नुकसान बहुत कम हैं, फिर भी इसके कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, जैसे - शरीर का तापमान बढ़ जाना, शरीर के विभिन्न हिस्सों में खुजली होना, लाल रैशेज पड़ना आदि. ये सभी साइड इफेक्ट अचानक से दिखाई देने लगते हैं. सीटी स्कैन के दौरान निकलनेवाली तरंगें बहुत हल्की होती हैं, फिर भी गर्भवती महिलाओं का सीटी स्कैन नहीं किया जाना चाहिए.

सजर्री से उपचार संभव

ब्रेन ट्यूमर का स्थायी इलाज सिर्फ ऑपरेशन है. वर्तमान में ऑपरेशन के दौरान जान जाने का खतरा एक फीसदी से भी कम माना जाता है. चिकित्सा जगत में होते परिवर्तन और नयी टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के कारण ब्रेन ट्यूमर का इलाज अब काफी हद तक संभव हो गया है, साथ ही इसकी सफलता दर भी बढ़ गयी है. अगर रोगी को ट्यूमर कैंसरस नहीं है, तो ऑपरेशन द्वारा उसे निकाला जा सकता है. इसके बाद विशेषज्ञों की देख-रेख में रोगी ठीक होकर सामान्य जीवन जी सकता है.

बांझपन

सिर्फ महिला नहीं जिम्मेवार

वर्तमान में डायबिटीज, हाइ बीपी और हृदय रोगों में इजाफा हुआ है. ये रोग अक्सर बांझपन का मुख्य कारण बनते हैं. इनसे निःसंतान दंपतियों की संख्या भी काफी बढ़ी है. 1981 से 2001 तक बांझपन में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है. इसके अलावा आज की व्यस्त जीवनशैली के कारण भी गर्भधारण में समस्याएं आ रही हैं. आजकल लगभग 10-15 फीसदी शादीशुदा जोड़े बच?चा जन्म देने में कठिनाई का अनुभव करते हैं. यदि एक साल के अंतराल में स्वस्थ दंपति को गर्भाधान में कठिनाई होती है या महिला गर्भवती नहीं होती है, तो उन्हें फौरन इलाज की आवश्यकता है.

भ्रांतियों से बचें - आम तौर पर भारतीय समाज में एक भ्रांति है कि बांझपन के लिए सिर्फ महिला ही जिम्मेवार होती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं होता है. सिर्फ 30 फीसदी जोड़ों में महिला, 30 फीसदी में पुरुष, 10 फीसदी में दोनों बांझपन के लिए जिम्मेवार होते हैं. 20 फीसदी में यह अन्य कारणों से हो सकता है.

कई बीमारियां हैं कारण - महिलाओं में बांझपन के प्रमुख कारण हैं- फेलोपियन ट्यूब का ब्लॉक होना, गर्भाशय का टीबी, फायब्रॉइड, एंडोमेट्रीयोसिस आदि का होना. इंडोक्राइन बीमारियां जैसे- थायरॉयड की बीमारी, पीसीओडी, मधुमेह आदि भी आजकल काफी महिलाओं में बांझपन का कारण हैं. कभी-कभी महिला के मस्तिष्क में ट्यूमर होने से भी प्रोलैक्टिन हार्मोन की शरीर में अधिकता हो जाती है, जिससे मासिक धर्म ही आना बंद हो जाता है और वे बांझपन की शिकार हो जाती हैं. बढ़ता प्रदूषण, तनाव, हार्मोनल असंतुलन आदि से पुरुष बांझपन भी बढ़ा है. पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी अब सामान्य रोग होता जा रहा है. शराब या तंबाकू का सेवन, मधुमेह, थायरॉयड तथा मानसिक तनाव से भी पुरुष संतान पैदा नहीं कर पा रहे हैं.

कई तरीकों से होता है उपचार - इस समस्या के बढ़ने के कारण ही बांझपन निवारण केंद्रों की संख्या में भी काफी इजाफा हुआ है. महिलाओं में आवश्यकतानुसार लेप्रोस्कोपी, हिस्टेरोस्कोपी आदि से फेलोपियन ट्यूब, ओवरी तथा गर्भाशय की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसी प्रकार से शुक्राणुओं से संबंधित समस्याओं को हार्मोन का असंतुलन सुधारने तथा अन्य दवाइयों के सेवन से ठीक किया जाता है. अब निःसंतान दंपतियों के लिए अनेक इलाज उपलब्ध हैं, जैसे- ओव्यूलेशन इंडक्शन तथा आइयूआइ. एजूस्पीमिया से ग्रसित पुरुषों में डोनर शुक्राणु से आइयूआइ किया जा सकता है. अज्ञात कारणों में आइवीएफ -इटी से इलाज संभव है. जिन महिलाओं में अंडे की कमी है, उनमें डोनर उसाइट से गर्भाधान संभव है.

स्लिप डिस्क में करें भुजंगासन

दफ्तर में घंटों कंप्यूटर पर काम करनेवाले कई लोग आज स्लिप डिस्क की समस्या से जूझ रहे हैं. इसमें उन्हें भीषण पीठ दर्द उठता है, जो कई बार बरदाश्त से बाहर हो जाता है. इस तकलीफ में योग विशेषज्ञ भुजंगासन करने की सलाह देते हैं, जो काफी आराम पहुंचाता है.

स्पाइनल कॉर्ड या रीढ़ की हड्डी पर शरीर का पूरा वजन टिका होता है. स्पाइनल कॉर्ड की हड्डियों के बीच कुशन जैसी मुलायम चीज होती हैं, जिसे डिस्क कहा जाता है. ये डिस्क एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं और वर्टिब्रा के बिल्कुल बीच में स्थित होती हैं. डिस्क स्पाइन के लिए शॉक एब्जॉर्बर का काम करती हैं.

वास्तव में डिस्क स्लिप नहीं होती, बल्कि स्पाइनल कॉर्ड से कुछ बाहर आ जाती है. इससे स्पाइनल कॉर्ड पर दबाव बनाता है.

इस परेशानी के कई कारण हो सकते हैं -

गलत पोश्चर इसका आम कारण है. लेट कर या झुक कर पढ़ना या लगातार काम करना, कंप्यूटर पर काफी देर तक बैठे रहना.

अनियमित दिनचर्या, अचानक झुकने, वजन उठाने, झटका लगने, गलत तरीके से उठने-बैठने की वजह से दर्द हो सकता है.

सुस्त जीवनशैली, व्यायाम न करना या पैदल न चलने से भी मशल्स कमजोर हो जाते हैं. अत्यधिक थकान से भी स्पाइन पर जोर पड़ता है और एक सीमा के बाद समस्या शुरू हो जाती है.

अत्यधिक शारीरिक श्रम, गिरने, फिसलने, चोट लगने, देर तक ड्राइविंग करने से भी डिस्क पर प्रभाव पड़ता है.

उम्र बढ़ने के साथ-साथ हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और इससे डिस्क पर जोर पड़ने लगता है.

इन उपायों से करें बचाव

नियमित तीन-छह किलोमीटर प्रतिदिन पैदल चलें. यह सर्वोत्तम व्यायाम है.

देर तक कुर्सी पर झुक कर न बैठें. अगर डेस्क जॉब करते हैं तो ध्यान रखें कि कुर्सी आरामदेह हो और इसमें कमर को पूरा सपोर्ट मिले. शारीरिक श्रम मांसपेशियों को मजबूत बनाता है. लेकिन इतना भी परिश्रम न करें कि शरीर को आघात पहुंचे.

देर तक न तो एक ही पोश्चर में खड़े रहें और न एक स्थिति में बैठे रहें.

किसी भी सामान को उठाने या रखने में जल्दबाजी न करें. पानी भरी बालटी उठाने, अलमारी-मेज खिसकाने, भारी सूटकेस उठाते समय सावधानी बरतें.

हाइ हील्स और फ्लैट चप्पलों से बचें. इनसे कमर पर दबाव पड़ता है.

क्या हैं सामान्य लक्षण

नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द, एड़ी या पैर की उंगलियों का सुन्न हो जाना

पैर के अंगूठों या पंजे में कमजोरी

स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पड़ने से कई बार हिप या थाइज के आस-पास सुन्न महसूस करना

रीढ़ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द

चलने-फिरने, झुकने में भी दर्द का अनुभव होना. कभी झुकने या खांसने या अचानक खड़े होने पर ऐसा लगे कि शरीर में करंट प्रवेश कर गया हो. झनझनाहट महसूस हो रहा हो.

नाड़ियों को बल प्रदान करता है यह आसन

जिन लोगों को साइटिका या स्लिप डिस्क की तकलीफ है, वे भी इस आसन से लाभ उठा सकते हैं, लेकिन सावधानी के साथ. संस्कृत में भुजंग का अर्थ है सांप और यह आसन ऐसा है, जैसे सांप ने फन उठाया हो.

आसन की विधि - पेट के बल लेट जाएं और हाथों को जमीन पर कंधों के नीचे रखें. अब श्वास लेते हुए नाभि को जमीन पर ही रखते हुए छाती और सिर को ऊपर उठाएं और पीठ को कमान की तरह मोड़ें. पूरे शरीर को उतना खींचे जितना संभव हो. फिर धीरे-धीरे श्वास अंदर लें और छोड़ते हुए सिर को नीचे लाएं.

लाभ - पीठ की, उदर की और शरीर के ऊपरी भाग की मांसपेशियां मजबूत होती हैं. यह आसन रीढ़-तंत्रिका में हुए विस्थापन को ठीक करता है और सिम्पैथेटिक नाड़ियों को बल प्रदान करता है. किसी भी कारण से पीठ दर्द में इस आसन से काफी लाभ होता है.

सावधानी - अगर आप पेप्टिक अल्सर, हर्निया या हाइपरथायरॉयड से पीड़ित हों, तो यह आसन न करें. ध्यान रखें कि जब शरीर को पीछे की तरफ मोड़ते हैं, तो जोर का झटका न लगे, क्योंकि इससे मांसपेशियों को सख्त चोट आ सकती है.

मन की खुशी लेकर आती है

फिटनेस

मॉडल, एक्ट्रेस, टीवी प्रेजेंटर मंदिरा बेदी सीरियल शांति से बड़ी पहचान बन कर उभरीं. अपने ग्लैमरस फिगर व आकर्षक अंदाज से दर्शकों के दिल पर छायीं. मां बनने के बाद भी वे खुद को उतना ही मेंटेन रखती हैं. डायटिंग पर वे बिलिव नहीं रखतीं. आज भी जिम में खूब पसीना बहाती हैं. वे बता रही हैं फिटनेस उनके लिए क्या मायने रखता है और इसके लिए क्या-क्या करती हैं.

अच्छा फिजिक पाने के लिए 80 प्रतिशत पौष्टिक खान-पान और 20 प्रतिशत एक्सरसाइज की जरूरत होती है. भूखे रह कर फिट नहीं हो सकते हैं. उसके बाद थोड़ा-सा समय एक्सरसाइज को देना जरूरी है. मैंने पाया है कि फिटनेस आपके लिए मन की खुशी लेकर आता है. यही वजह है कि मां बनने के बाद मैं अपनी फिटनेस को लेकर ज्यादा एलर्ट हूं. मैंने छह महीने में 22 किलो वजन कम किया है.

पावर योग है पसंद - मुडो योग से बेटर जिम लगता है. हां, पावर योग पसंद है, क्योंकि मैं हर वक्त एक्टिव रहनेवाली हूं. मुडो दौड़ना पसंद है. हफ्ते में पांच दिन एक्सरसाइज करती हूं. स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो 20-20 मिनट करती हूं. उसके बाद वेट लिफ्टिंग और अन्य एक्सरसाइज. जो लोग यह बोलते हैं कि उनके पास एक्सरसाइज के लिए वक्त नहीं है, मुडो उनसे चिढ़ है. क्या आप 24 घंटे में से 45 मिनट नहीं निकाल सकते?

तंबाकू को कहें ना

तंबाकू चबाने से मुंह में छाले पड़ जाते हैं, अंदरूनी चमड़ा कठोर हो जाता है, जो भविष्य में गांठ को जन्म देता है. इससे मुंह खोलने में परेशानी होने लगती है. ऐसी स्थिति को 'ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस' कहते हैं. आगे चल कर यही मुंह के कैंसर में बदल जाता है. यह शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल जाता है. यदि शुरुआत में ही इसका उपचार हो, तो इस पर काबू पाया जा सकता है.

दिमाग को जकड़ लेता है निकोटिन

तंबाकू में 4000 केमिकल पाये जाते हैं. इनमें 28 कैंसर का कारण बनते हैं. इनमें सबसे खतरनाक तत्व होता है निकोटिन. वैसे तो कई पौधों में भी यह पाया जाता है, लेकिन तंबाकू में इसकी मात्र काफी अधिक होती है. तंबाकू की सूखी पत्तियों में यह लगभग 0.6 से 38 तक पाया जाता है. निकोटिन की मात्र शरीर में ज्यादा पंहुच जाने के कारण व्यक्ति का बीपी सामान्य से अधिक हो जाता है. यदि व्यक्ति तंबाकू का सेवन नहीं करता है, तो उसे थकान महसूस होने लगती है. तंबाकू का सेवन करते ही शरीर फिर से एक्टिव हो जाता है.

शरीर में निकोटिन की बढ़ती मात्र से दिमाग का संतुलन भी बिगड़ जाता है और वह निकोटिन के सेवन करने पर ही एक्टिव रहता है. इसके लंबे समय तक सेवन से ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाते हैं और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बन जाता है. निकोटिन का अत्यधिक सेवन लिवर के लिए भी काफी खतरनाक है. इससे लिवर सिरोसिस जैसी घातक बिमारी होने का खतरा बढ़ जाता है. यह कैंसर के बाद दूसरी सबसे खतरनाक बीमारी मानी जाती है, जिसका इलाज केवल लिवर ट्रांसप्लांट है. निकोटिन के सेवन से लिवर की कोशिकाओं में ब्लड सरकुलेशन कम होने लगता है, जिससे लिवर के टिशूज खराब हो जाते हैं.

गला व फेफड़े तक फैल जाता है कैंसर

मुंह के कैंसर की कोशिकाएं मिल कर एक ग्रुप बनाती हैं और ट्यूमर का रूप ले लेती हैं. उसके बाद वे वहां से पूरे शरीर में फैलने लगती हैं. इस प्रोसेस को मेटास्टेसिस कहते हैं. इस तरह यह फैल कर गला और फेफड़े में भी कैंसर उत्पन्न कर देती हैं.

काफी नहीं सिक्स पैक एब्स बनाना

फिल्म सिंघम में अजय देवगन का जबरदस्त लुक चर्चा में रहा. उन्होंने 'दबंग' सलमान को भी पीछे छोड़ दिया. यहां तक कि सलमान ने भी उनके फर्स्ट लुक पर टिवट्र पर लिखा- 'बाप रे बाप.अजय की बॉडी सुपर्ब है'. एक बार फिर से अजय जिम में पसीना बहा रहे हैं अगली फिल्म सिंघम रिटर्न के लिए. फिटनेस को लेकर उनकी राय है कि सिर्फ सिक्स पैक एब्स बना लेने से कोई फिट नहीं हो जाता. और क्या-क्या जरूरी है, बता रहे हैं अजय.

फिटनेस को लेकर हमेशा से मैं कॉन्शस रहा हूं. 'सिंघम' के लिए मैंने तीन महीने जम कर एक्सरसाइज की थी. ट्रेनर प्रशांत सावंत की हर बात को फॉलो किया. रोज सवा घंटा कार्डियो एक्सरसाइज बिना ब्रेक करता हूं, जिसमें एक घंटा वेट ट्रेनिंग रहता है. ट्रेनिंग के दौरान हमने महसूस किया कि हर किसी के लिए सिक्स पैक एब्स बनाना आसान है, लेकिन उसके मुताबिक पूरे शरीर (बांह, छाती और कंधे) को एक परफेक्ट टोन्ड शेप देना बेहद मुश्किल होता है. इसमें बैलेंस डायट की 90 फीसदी भूमिका होती है.

डायट रूटीन - खाने-पीने के मामले में भी बेहद अनुशासित हूं. ज्यादा-से-ज्यादा पौष्टिक चीजें ही लेता हूं और एक सप्ताह के अंतराल पर इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव करता रहता हूं.

काबरेहाइड्रेट को अपने खान-पान से दूर ही रखता हूं. प्रोटीन ज्यादा-से-ज्यादा मिले, इसके लिए अंडा और चिकन खाता हूं. लंच में रोटी और पत्तेदार हरी सब्जियां शामिल करता हूं. रात में सूप के साथ ग्रिल्ड चिकन पसंद है. इसके साथ ही मैं प्रोटीन शेक और खूब पानी पीता हूं. मेरी एक ही कमजोरी है कोला और फ्रेंच फाइज, जिस पर कंट्रोल नहीं रख पाता. इन्हें कम करने के लिए 15 दिन पर ही लेता हूं.

अपार्टमेंट परिसर में गोलीबारी... बंदूकधारी सहित तीन लोग मारे गए

मिनियापोलिस । अमेरिका में मिनेसोटा के मिनियापोलिस अपार्टमेंट से एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यह अपार्टमेंट परिसर में जमकर गोलीबारी की गई। घटना में बंदूकधारी सहित तीन लोग मारे गए। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। इसके पहले पुलिस ने बताया था तब कि घटना में दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए हैं। हालांकि अभी इस घटना को लेकर कोई और अपडेट सामने नहीं आया है। पुलिस के पहले के बयान में संकेत दिया गया था कि दो अधिकारियों के साथ चार नागरिक घायल हुए थे। साथ ही पुलिस ने पोस्ट के द्वारा लोगों को सतर्क रहने का आदेश दिया है। उन्होंने स्थिति को काफी गंभीर बताकर निवासियों से इस क्षेत्र से बचने का आग्रह किया। वहीं राज्य के गवर्नर टिम वाल्ज ने घटना को लेकर बयान दिया है,उन्होंने कहा, राज्य गश्ती दल दक्षिण मिनियापोलिस में घटनास्थल पर है और स्थानीय कानून प्रवर्तन में सहायता कर रहा है। मिनेसोटा राज्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

बाप रे बाप... ईरान में पारा 66 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

तेहरान । ईरान में पारा 66 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है। हीटवेव लगातार दुनिया में बढ़ते तापमान का रिकॉर्ड तोड़ रहा है। 2022 में इंग्लैंड का तापमान जुलाई महीने में 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच था। पिछले साल 2023 में चीन का एक कस्बा 52 डिग्री सेल्सियस गर्मी झेल रहा था। वहीं साल 2021 में इटली के सिसली में पारा 48.8 डिग्री पहुंचा था। बात दें कि 66 डिग्री सेल्सियस का हीट इंडेक्स होता है, यानी वहां जानलेवा है। इस तापमान को इंसानी शरीर बर्दाश्त नहीं कर सकता। एक रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2013 से 2023 के बीच धरती के तापमान में 40 फीसदी का इजाफा हुआ है।

किम जोंग ने कई रॉकेट लॉन्चर प्रदर्शनों को देखा

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया की संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले दक्षिण कोरिया के कदमों के जवाब में उत्तर कोरिया की विशाल मल्टीपल रॉकेट इकाइयों ने किम जोंग के आदेश पर रॉकेट लॉन्चर प्रदर्शनों को देखा। आधिकारिक कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी केसीएनए ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केसीएनए की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के महासचिव और उत्तर कोरिया के राज्य मामलों के अध्यक्ष किम जोंग उन ने कहा कि यह गोलीबारी यह दिखाने के लिए की गई थी कि अगर हमारे प्रतिद्वंद्वी हमें उकसाएंगे तो उन्हें क्या परिणाम भुगतने होंगे। किम ने उत्तर कोरियाई परमाणु बलों से युद्ध को रोकने और किसी भी समय और अचानक स्थितियों में युद्ध में पहल करने के अपने मिशन को पूरा करने के लिए और अधिक अच्छी तरह से तैयार रहने का आह्वान किया है।

एक बार फिर पोखरा एयरपोर्ट विवादों में घिरा, नहीं मिल रही व्यवसायिक उड़ान

-नेपाली पत्रकार ने खोली पोल, नेपाल को चुकाना होगा 5 फीसदी ब्याज

काठमांडू। नेपाल में चीन के राजदूत चेंग सोंग और नेपाली पत्रकार गजेंद्र बुधाठोकी के बीच हुए विवाद से एक बार फिर पोखरा एयरपोर्ट विवादों में घिर गया है। गजेंद्र बुधाठोकी ने खुलासा किया है कि पोखरा एयरपोर्ट नेपाल को पहले बताई गई ब्याज दर से ज्यादा पैसा चीन के बैंक को देना होगा। चीन और नेपाल के बीच हुए समझौते में कहा गया है कि कुल 21 करोड़ 59 लाख डॉलर का कर्ज पोखरा एयरपोर्ट के लिए लिया गया है। गजेंद्र ने बताया कि इस लोन पर दो प्रतिशत ब्याज चुकाना था लेकिन अब सरकारी दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि 5 फीसदी ब्याज नेपाल को चुकाना होगा। पोखरा एयरपोर्ट बनकर तैयार है लेकिन अभी तक कोई भी व्यवसायिक उड़ान यहां नहीं उतरी है जिससे नेपाल को कोई राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि बीआरआई प्रॉजेक्ट फेल होने की कगार पर है और अब चीन अपनी छवि बचाने के लिए इसे बीआरआई का हिस्सा बता रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से चीनी राजदूत सार्वजनिक रूप से पोखरा एयरपोर्ट का बचाव करने में सीमाएं लांघ गए। नेपाल में चीनी राजदूत के व्यवहार की कड़ी आलोचना हो रही है और मांग उठ रही है कि उन्हें वापस भेजा जाए। वहीं हाल के महीनों में नेपाल की सरकार ने चीन को मनाने का प्रयास कर रही है कि वह पोखरा एयरपोर्ट के कर्ज को ग्रांट में बदल दे ताकि उसे ब्याज नहीं देना पड़े। साल 2026 से नेपाल को इस एयरपोर्ट का लोन और ब्याज लौटाना शुरू करना है।

जर्मनी में इस्लाम-विरोधी रैली में चाकू से हमला, कई घायल, हमलावर पकड़ा गया

जर्मनी के मैनहेम में शुक्रवार को एक अज्ञात हमलावर द्वारा दक्षिणपंथी प्रदर्शन में चाकूबाजी की घटना के बाद एक पुलिस अधिकारी सहित कई लोग घायल हो गए। हमला तब हुआ जब एक बुजुर्ग व्यक्ति सुदूर दक्षिणपंथी विरोध प्रदर्शन को संबोधित करने की तैयारी कर रहा था जिसे इस्लाम विरोधी कार्यकर्ता माइकल स्टुअरज़ेनबर्गर ने बुलाया था। स्टुअरज़ेनबर्गर खुद को इस्लाम-आलोचनात्मक पत्रकार बताते हैं, । कई दूर-दराज के इस्लाम विरोधी संगठनों के सदस्य रहे हैं, जिसमें पेगिडा आंदोलन भी शामिल है, जो शहरों में खासकर पूर्वी जर्मनी में नियमित मार्च आयोजित करता है। घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक पुलिसकर्मी को संदिग्ध को करीब से गोली मारते हुए दिखाया गया है, जब वह एक अन्य व्यक्ति के साथ हाथापाई कर रहा था। हमले के बाद जर्मन पुलिस ने कहा कि हमलावर के ख़िलाफ़ आग्नेयास्त्र का इस्तेमाल किया गया।, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने आगे कहा कि जनता के लिए कोई और खतरा नहीं है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता और एक बचाव हेलीकॉप्टर घटनास्थल पर हैं। जनता के लिए कोई खतरा नहीं है। अगली सूचना तक कुर्पफल्ज़क्रेसेल और परेडप्लात्ज़ के बीच ट्रेन सेवा निलंबित है।

इंटरनेट स्पीड बढ़ाने के लिए पाकिस्तान ने चीनी मदद से सैटेलाइट किया लांच

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इंटरनेट की स्पीड को लेकर बड़ी समस्या है। इससे निजात पाने के लिए पाकिस्तान ने अपने मित्र चीन की मदद से तीव्र इंटरनेट संपर्क के लिए एक बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह प्रक्षेपित किया। पाकिस्तान द्वारा एक महीने में प्रक्षेपित किया गया यह दूसरा उपग्रह है। चीन के अनुसार, बहुद्देश्यीय संचार उपग्रह को पाकसैट एमएम1 के नाम से भी जाना जाता है। इसे चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। एजेंसी ने बताया कि उपग्रह योजना के तहत कक्षा में स्थापित किया गया।सरकारी प्रसारक पाकिस्तान टेलीविजन ने एक बयान में कहा कि यह उपग्रह पूरे पाकिस्तान में सर्वोत्तम इंटरनेट सुविधाएं प्रदान करेगा तथा टेलीविजन प्रसारण, मोबाइल फोन और ब्रॉडबैंड सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा। उपग्रह अगस्त में सेवा प्रदान करना शुरू कर देगा। खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कि उन्हें उम्मीद है कि यह उपग्रह पूरे देश में सबसे तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक होगा। पिछले सप्ताह एक बयान में पाकिस्तान के स्पेस ऐंड अपर एटमोस्फियर रिसर्च कमीशन (सुपार्को)ने कहा था कि उपग्रह का प्रक्षेपण राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम 2047 का हिस्सा है।

रईसी की मौत पर शोक व्यक्त करने ईरान पहुंचे सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद

तेहरान। सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद ने बृहस्पतिवार को राजधानी तेहरान में ईरान के सर्वोच्च नेता से मुलाकात की और हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत पर शोक व्यक्त किया। असद ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से मुलाकात की और इस महीने की शुरुआत में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन की मौत पर भी शोक व्यक्त किया। ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर भी बैठक में मौजूद थे। असद का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जबकि 28 जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए ईरान में पांच दिन के लिए नामांकन की प्रक्रिया चल रही है।

शुक्रवार को सिंगापुर में पांच शक्ति रक्षा व्यवस्था (एफपीडीए) रक्षा मंत्रियों की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस मीटिंग (एफडीएमएम) के लिए शांगरी-ला वार्ता के दौरान मिलते न्यूजीलैंड की रक्षा मंत्री जूडिथ कोलिन्स, मलेशिया के रक्षा मंत्री दातो सेरी मोहम्मद खालिद नॉर्डिन, सिंगापुर के रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस और ब्रिटेन के महानिदेशक (सुरक्षा नीति) पॉल व्याट।

डोनाल्ड ट्रंप दोषी करार, 11 जुलाई को सुनाई जाएगी सजा

-बाइडेन परेशान, टीम ने अपने समर्थकों को टेक्स्ट वार्निंग भेजी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका का पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हश मनी मामले में दोषी करार दिए गए हैं। 12 सदस्यों की जूरी ने हश मनी मामले के 34 आरोपों में डोनाल्ड ट्रंप को दोषी माना है। अमेरिका के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी पूर्व राष्ट्रपति को आपराधिक मामले में दोषी ठहराया गया है। ट्रंप की सजा पर 11 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबत बढ़ गई है। इस मामले में ट्रम्प को जेल भी हो सकती है और नहीं भी। ट्रंप दोषी पाए उनके राजनीतिक विरोधी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन खुश नहीं है वह परेशान नजर आ रहे हैं।

दरअसल, जो बाइडेन की परेशानी की वजह भी डोनाल्ड ट्रंप ही हैं। बाइडेन को शक है कि ट्रंप अब अमेरिकी चुनाव में खुलकर पैसों का इस्तेमाल करेंगे। इस फैसले के बाद ट्रंप फंड रेजिंग का एक नया रिकॉर्ड बनाएंगे। टीम बाइडेन ने कैंपेन के हिस्से के रूप में अपने समर्थकों को टेक्स्ट वार्निंग भेजा है। संदेश में कहा गया है कि यह वे पैसे हैं, जिनका इस्तेमाल डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में वापस आने के लिए करेंगे, ताकि अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बदला लेने और धमकियों को पूरा कर सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन टीम के टेक्स्ट मैसेज में यह भी कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हराने का एकमात्र तरीका वोट देना ही है।

बता दें कि अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। डोनाल्ड ट्रंप न केवल पहले ऐसे राष्ट्रपति हैं, जिन्हें किसी अपराध का दोषी पाया गया है, बल्कि वे राष्ट्रपति चुनाव अभियान के बीच में किसी अपराध का दोषी पाए जाने वाले पहले बड़ी पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी हैं। अगर वे राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन को हरा देते हैं, तो वे इतिहास में पहले ऐसे राष्ट्रपति होंगे, जो किसी अपराधी के रूप में दोषी पाए गए हैं।

दरअसल, अमेरिका में बिजनेस रिकॉर्ड छिपाना या उसमें धोखाधड़ी करना बड़ा अपराध माना जाता है। इसमें जुर्माना और जेल दोनों का प्रावधान हैं। अब सवाल उठता है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप को जेल की सजा होगी? तो यह संभव नहीं दिखता है। उन पर जुर्माना लगाया जा सकता है या फिर उन्हें नजरबंद किया जा सकता है। जेल हो, यह शायद संभव नहीं। इसकी वजह यह है कि अमेरिका में फर्स्ट टाइम ऑफेंडर को जेल की सजा रेयरेस्ट ऑफ दे रेयर मामले में ही मिलती है। इसमें देखा जाता है कि उसका क्रिमिनल बैकग्राउंड है या नहीं। हालांकि, यह सब कुछ जज और केस की मेरिट पर डिपेंड करता है।

इजराइल ने दक्षिणी गाजा से मिस्र तक फैली हमास की सुरंगों को खोजा!

-मिस्र ने कहा- इजराइली सेना रफाह में हमले को उचित ठहराने का प्रयास कर रही

तेल अवीव। गाजा में इजरायली सेना ने दावे किए हैं। इजरायल का दावा है उसने दक्षिणी गाजा से मिस्र तक फैली हमास की सुरंगों का नेटवर्क खोज लिया है। इसके अलावा इजरायली रक्षा बलों ने फिलाडेल्फी कॉरिडोर पर भी कब्जा कर लिया है। फिलाडेल्फी गाजा और मिस्र की सीमा से लगने वाला गलियारा है, यहां से तकरीबन पूरे गाजा पर अब इजरायल का नियंत्रण हो गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक कि आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि उन्होंने गलियारे के साथ घिरी पट्टी में हमास द्वारा इस्तेमाल की जा रही 20 सुरंगों का पता लगाया है। साथ ही आईडीएफ सैनिकों ने मिस्र और राफा के बीच सीमा पर फिलाडेल्फी कॉरिडोर का परिचालन नियंत्रण स्थापित किया है। उन्होंने दावा किया कि 100 मीटर चौड़ा यह इलाका हमास के लिए जीवन रेखा है, जिसका इस्तेमाल वे गाजा पट्टी में नियमित रूप से हथियारों की तस्करी के लिए करते थे।

आईडीएफ ने अपने एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर की उसमें बताया कि उसके सैनिकों ने 1.5 किमी लंबे सुरंग का पर्दाफाश किया है, उसमें दर्जनों एंटी टैंक मिसाइलें और हथियार थे। इनको नष्ट कर दिया है। इजरायल के दावे को मिस्र ने गलत बताया है। मिस्र मीडिया ने इजरायली दावों का खंडन करते हुए कहा कि नेतन्याहू की सेना रफाह में अपने हमले को उचित ठहराने का प्रयास कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल राजनीतिक उद्देश्य के लिए रफाह में युद्ध को लंबा खींच रहा है। मिस्र ने युद्धविराम समझौते के प्रयासों में हमास और इजरायल के बीच बातचीत में मध्यस्थ के रूप में काम किया है। मिस्र लंबे समय से फिलिस्तीन की वकालत करता रहा है और हजारों निर्दोष फिलिस्तीनी नागरिकों की हत्या की निंदा की है।

रूस ने यूक्रेन पर दागी क्रूज मिसाइलें, आधा दर्जन से अधिक हुए घायल

कीव। रुस ने यूक्रेन पर एक बार फिर बड़ा हमला किया है। सैकड़ों क्रूज मिसाइलों, बैलेस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से किए गए हमले में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इससे यूक्रेन में कई स्थानों पर नुकसान होने की सूचना है। इस बीच यूक्रेन के सेना प्रमुख ने कहा है कि रूसी सेना खार्कीव के नजदीक सैनिकों की संख्या बढ़ा रही है और शहर पर हमले की योजना बना रही है। ताजा हमले में खार्कीव में सात लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। यूक्रेन ने रूसी हमले से हुए नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। लेकिन यह बताया है कि रूसी सेना के छोड़े सभी 32 शाहेद ड्रोन एयर डिफेंस सिस्टम ने आकाश में ही नष्ट कर दिए थे। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर पश्चिमी देश यूक्रेन को अपने हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत देता है तो भविष्य में उनके साथ बहुत बुरा होगा। पुतिन ने की ये चेतावनी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के हथियारों की इजाजत देने के बाद आई है। इसके साथ जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि रूस जिस जगह से यूक्रेन पर हमला कर रहा है, उन ठिकानों को नष्ट करने के लिए यूरोपीय देशों को यूक्रेन की मदद करनी चाहिए। इसके बाद से पुतिन का गुस्सा भड़क गया है। इस बीच यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि उसने काला सागर में रूसी नौसेना की दो गश्ती नौकाओं को ड्रोन हमलों में नष्ट कर दिया है। यूक्रेन को युद्ध में सहायता दे रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो ने कहा है कि युद्ध जारी रहने की स्थिति में यूक्रेन के लिए प्रतिवर्ष 44 अरब डालर की सैन्य मदद जरूरी होगी।

खालिस्तान के बहाने भारत को किया जा रहा था टारगेट, मेटा ने चीन पर कर दी डिजिटल स्ट्राइक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन पर फर्जी फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट्स की होस्टिंग का आरोप है। इन अकाउंट के जरिए खालिस्तान समर्थक भावनाओं को प्रचारित करके दुनिया भर में सिख समुदाय को निशाना बनाया गया। मेटा का बड़ा खुलासा सामने आया है। मेटा का कहना है कि उसने चीन से जुड़े फेसबुक, इंस्टाग्राम अकाउंट को हटा दिया है, जिसने ऑपरेशन के तहत भारत को टारगेट किया था। इन खातों ने अंग्रेजी/हिंदी में खालिस्तान आंदोलन, हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारतीय सरकार की आलोचना पर पोस्ट किया था।

फेसबुक और इंस्टाग्राम के स्वामित्व वाली मेटा ने अपनी 'एडवर्सेरियल थ्रेट रिपोर्ट' में कहा कि उन्होंने ''समन्वित अप्रामाणिक व्यवहार' के खिलाफ अपनी नीति का उल्लंघन करने के लिए 37 फेसबुक अकाउंट, 13 पेज, पांच समूह और नौ इंस्टाग्राम अकाउंट हटा दिए। मेटा ने अपनी क्ता 2024 एडवर्सेरियल थ्रेट रिपोर्ट में कहा कि यह नेटवर्क चीन में उत्पन्न हुआ और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, यूके और नाइजीरिया सहित वैश्विक सिख समुदाय को निशाना बनाया गया। मेटा ने कहा कि इस गतिविधि में चीन से जेनरेटेड फेक अकाउंट्स के कई समूह शामिल थे जो भारत और तिब्बत क्षेत्र को टारगेट किया जा रहा था।

मेटा रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से कुछ ग्रुप्स ने एक-दूसरे को बढ़ावा दिया है और उनकी अधिकांश भागीदारी उनके स्वयं के फेक अकाउंट से आई है, जिससे यह अभियान पहले की तुलना में अधिक लोकप्रिय हो जाएगा। मेटा ने आगे कहा, 'इस ऑपरेशन में सिखों के रूप में पेश करने, सामग्री पोस्ट करने और पेज और ग्रुप प्रबंधित करने के लिए समझौता किए गए और फर्जी खातों का इस्तेमाल किया गया था।

आखिरकार हमास को झुकना पड़ा कहा- युद्ध रोक दो, हम बंधकों को लौटा देंगे

गाजा (एजेंसी)। इजरायल ने हमास का नामोनिशान मिटाने का संकल्प लिया है। बीते कई महीनों से इजरायल लगातार हमास पर हमले बोल रहा है। इससे हमास और इजरायल को भारी नुकसान हुआ है। अब राफा के खिलाफ इजरायल की तेज होती कार्रवाई के बीच अब हमास समझौते के लिए तैयार है। खबर है कि फिलिस्तीनी समूह हमास ने इस संबंध में मध्यस्थों को इस संबंध में जानकारी भी दे दी है। खास बात है कि हमास इजरायल के साथ समझौता करना चाहता है, जिसमें बंधकों की वापसी भी शामिल है। 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया था, जिसके बाद से ही दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है। बता दें कि भारत ने दक्षिणी गाजा के राफा शहर पर इजराइली हमले में आम नागरिकों की मौत को हृदय विदारक बताते हुए गुरुवार को संघर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करने का आह्वान किया। गाजा के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि 26 मई को हुए हवाई हमले में 45 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर लोग तंबुओं में शरण लिए हुए थे। इस हमले से दुनिया भर में भारी आक्रोश फैल गया और यहां तक कि इजराइल के कुछ करीबी सहयोगियों ने भी इसकी आलोचना की।

खास बात है कि इजरायल पहले भी हमास की तरफ से की गईं पेशकशों को ठुकरा चुका है। इजरायल का कहना है कि राफा में जारी कार्रवाई हमास को खत्म करने और बंधकों को बचाने के लिए है। इससे पहले इजरायल ने कहा था कि गाजा में हमास के खिलाफ उसका युद्ध पूरे साल जारी रहेगा। पहली बार इजरायल के टैंक राफा पहुंचे थे। हमास का कहना है कि उसने मध्यस्थों को बता दिया है कि वो जारी आक्रमण को लेकर बातचीत में शामिल नहीं होंगे। साथ ही कहा है कि अगर इजरायल युद्ध रोक देता है, तो वे पूर्ण समझौते के लिए तैयार हैं। खास बात है कि यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब इजरायल इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के कहने के बाद भी राफा के खिलाफ कार्रवाई जारी रख रहा है।हमास के बयान के अनुसार, हमास और फिलिस्तीनी समूह आक्रमण, भुखमरी और हमारे लोगों के नरसंहार के बीच (सीजफायर पर) बातचीत जारी रखकर इस नीति में शामिल होना स्वीकार नहीं करेंगे। आगे कहा गया है, हमने मध्यस्थों को हमारा विचार बता दिया है कि अगर कब्जा करने वाले गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ युद्ध और आक्रमण बंद कर देते हैं, तो हम पूर्ण समझौते के लिए तैयार हैं, जिसमें एक्सचेंज डील भी शामिल है।

चीन ने लताड़ा तो तालिबान के आगे गिड़गिड़ाने लगा पाकिस्तान,हमले से जुड़ी जांच रिपोर्ट सौंपी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में चल रहे चीनी प्रोजेक्ट में काम करने वाले कई इंजीनियरों की मौत हो गई है। यहां आए दिन चीन के लोगों पर हमले होते हैं और उनकी हत्या कर देते हैं। इन घटनाओं को लेकर चीन ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। इससे घबराकर पाकिस्तान अब तालीबान की शरण में चला गया है। पाकिस्तान के बीशम में 26 मार्च को चीनी इंजीनियरों के काफिले को निशाना बनाया गया था। इस आत्मघाती हमले में पांच चीनी इंजीनियरों समेत एक पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई थी। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान में बैठे टीटीपी आतंकियों ने हमला किया। चीन लगातार दबाव बना रहा है कि पाकिस्तान उसके इंजीनियरों की सुरक्षा करे, जिसके बाद पाकिस्तान का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को अफगानिस्तान पहुंचा। राजधानी काबुल में इसने अफगान अधिकारियों से मुलाकात की और बिशम में हुए आत्मघाती हमले का मुद्दा उठाते हुए सुरक्षा सहयोग की मांग की। हमले में मारे गए सभी चीनी इंजीनियर दासू डैम प्रोजेक्ट के लिए काम करते थे। आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने पिछले सप्ताह कहा था कि हमले की प्लानिंग अफगानिस्तान में टीटीपी की ओर से बनाई गई थी। उन्होंने अफगान सरकार से आरोपियों को सौंपने की मांग की थी। तालिबानी सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने नकवी के बयान का खंडन किया था और कहा कि पाकिस्तान अपनी नाकामी के लिए अफगानिस्तान को दोषी ठहराना बंद करे। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार ने बिशम हमले की निंदा की थी। किसी भी समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली। वहीं टीटीपी ने कहा कि वह इसमें शामिल नहीं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि आंतरिक सचिव खुर्रम आगा ने पीएम शहबाज शरीफ के विशेष निर्देशों पर अफगानिस्तान का दौरा किया और अंतरिम अफगान सरकार के उप मंत्री मोहम्मद नबी ओमारी के साथ एक मीटिंग की। बयान में कहा गया कि सचिव ने बीशम हमले को लेकर सरकार के निष्कर्षों को साझा किया और अपराधियों को पकड़ने में अफगानिस्तान से सहायता मांगी। तालिबान ने पाकिस्तान सहित किसी भी अन्य देश के खिलाफ आतंकी गतिविधियों के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल न होने की प्रतिबद्धता जताई।

फिर दी पाकिस्तान ने परमाणु बम की धमकी कहा- हमारे यहां नो फर्स्ट यूज नीति नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। दो चार एटम बम बनाकर पाकिस्तान पूरी दुनिया में रौब झाड़ने की कोशिश कर रहा है। आए दिन भारत को परमाणु बम के नाम पर धमकाने की कोशिश करता है। जिसे भारत गंभीरता से कभी नहीं लेता है और चुटकी लेता है। भारत में लोकसभा चुनावों के बीच पाकिस्तान के परमाणु बम की ताकत पर पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जमकर चुटकी ली है। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने अब भारत को परमाणु बम की गीदड़भभकी देना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के परमाणु बम की देखरेख करने वाली नैशनल कमांड अथॉरिटी के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) खालिद अहमद किदवई ने कहा है कि पाकिस्तान की परमाणु बम को लेकर कोई नो फर्स्ट यूज की नीति नहीं है। किदवई ने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु बम पूरी तरह से तैयार हैं। नो फर्स्ट यूज नीति का मतलब है कि किसी देश के परमाणु बम प्रतिरोध के लिए हैं, न कि परमाणु युद्ध के लिए। भारत नो फर्स्ट यूज का पालन करता है लेकिन अब पाकिस्तान ने साफ कर दिया है कि वह जरूरत पर पड़ने परमाणु हमला भी कर सकता है।

बता दें कि हाल ही में भारत में मांग उठी है कि नो फर्स्ट यूज की नीति को बदला जाए लेकिन अभी कोई फैसला हुआ नहीं है। भारत में चल रही इस बहस से पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व घबराया हुआ है। इससे वे अब जवाबी कार्रवाई के लिए कदम उठा रहे हैं ताकि भारत पाकिस्तान के अंदर पहले कोई परमाणु हमला नहीं कर पाए। किदवई ने कहा कि भारतीय नेतृत्व को इस बारे में सोचना चाहिए कि पाकिस्तान के पूरी तरह से तैयार परमाणु बम प्रत्येक पाकिस्तानी नेता को यह स्वतंत्रता, सम्मान और साहस देती है कि वह सीधे भारत की आंखों में आंखें डालकर अपनी बात कह सके और कभी झुके नहीं। पाकिस्तान की ओर से यह बयान तब आया है जब पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू में पाकिस्तान के परमाणु बम की ताकत पर चुटकी ली थी। पीएम मोदी ने इसको लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा था। जनरल किदवई ने यह भी संकेत दिया कि पाकिस्तान उभरती हुई तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है ताकि देश के परमाणु कार्यक्रम को मजबूत किया जा सके। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों के पास परमाणु बम है। किदवई ने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु बमों से 2750 किमी तक भारतीय इलाके को निशाना बनाया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के परमाणु बम विस्फोट के दिन एक सेमिनार को संबोधित करते हुए किदवई ने कहा, पाकिस्तान की कोई परमाणु बम को लेकर कोई नो फर्स्ट यूज नीति नहीं है। मैं इसे दोबारा कह रहा हूं ताकि जोर दिया जा सके। भारत के विपरीत पाकिस्तान ने अब तक यह साफ नहीं किया था कि वह नो फर्स्ट यूज नीति में भरोसा रखता है या नहीं। पाकिस्तान के रणनीतिकारों को भारत के नो फर्स्ट यूज नीति पर भी संदेह है। उनका मानना है कि

भारत कह भले रहा है लेकिन परमाणु हमला कर सकता है। भारत ने अपने डॉक्ट्रिन में कहा है कि वह पहले किसी परमाणु हथियार संपन्न देश पर परमाणु हमला नहीं करेगा लेकिन अगर ऐसा हमला होता है तो इसका एटमी हथियारों से करारा जवाब दिया जाएगा।

पुणे पोर्श कार मामला : दादा सुरेंद्र और पिता विशाल अग्रवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में ताजा घटनाक्रम में अदालत ने शुक्रवार को नाबालिग आरोपी के दादा सुरेंद्र अग्रवाल और पिता विशाल अग्रवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुणे पुलिस ने पोर्श कार हादसे में कथित रूप से शामिल नाबालिग के खिलाफ जांच की अनुमति के लिए किशोर न्याय बोर्ड को पत्र लिखा है। पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। दरअसल पुणे के कल्याणी नगर में 19 मई को पोर्श कार के 17 वर्षीय चालक ने बाइक सवार दो इंजीनियर को कथित रूप से टक्कर मार दी थी जिसमें दोनों की मौत हो गयी थी। पुलिस ने दावा किया कि आरोपी नशे की हालत में कार चला रहा था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) शैलेश बलकवडे ने कहा कि पुलिस ने जे जे बोर्ड को पत्र लिखकर नाबालिग के खिलाफ जांच करने की अनुमति मांगी है। वहीं पुलिस ने किशोर के अलावा उसमें सवार तीन और लोगों के रक्त के नमूने भी एकत्र किए थे। पुलिस ने बताया कि रक्त नमूना एकत्र करने के दौरान ससून सरकारी अस्पताल में किशोर के माता-पिता भी मौजूद थे। इसके पहले दिन में पुलिस ने यहां अदालत को बताया कि किशोर के रक्त के नमूने को एक महिला के नमूने से बदल दिया गया था जिसकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

एयर इंडिया की उड़ान 8 घंटे लेट... बिना एयर कंडीशनिंग विमान में बेहोश हुए यात्री

नई दिल्ली । दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान में 8 घंटे से अधिक की देरी हुई, इससे बिना एयर कंडीशनिंग के विमान के अंदर इंतजार करते कुछ यात्री बेहोश हो गए। बता दें कि एयर इंडिया की फ्लाइट 30 मई को ठीक 3 बजकर 20 मिनट पर दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन कई घंटों की देरी के बाद, 31 मई सुबह 11 बजे फ्लाइट ने दिल्ली एयरपोर्ट से टेक ऑफ किया। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि एयर इंडिया की उड़ान 8 घंटे से अधिक देर से थी, और इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को विमान में चढ़ने और बिना एयर कंडीशनिंग के बैठने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोगों के बेहोश होने के बाद यात्रियों को विमान से बाहर निकलने के लिए कहा गया। उन्होंने अपने पोस्ट में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टैग कर पूरी घटना को अमानवीय बताया। यात्री ने ट्वीट किया, अगर कोई निजीकरण की कहानी है जो विफल रही है, तब वह एयर इंडिया है। उनके पोस्ट के जवाब में, एयर इंडिया ने उन्हें यात्रियों को आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया। एयरलाइंस ने जवाब दिया, हमें व्यवधानों पर खेद है। कृपया निश्चिंत रहें कि हमारी टीम देरी को संबोधित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है और आपके निरंतर समर्थन और समझ की सराहना करती है।

कांग्रेस एग्जिट पोल से संबंधित टीवी चर्चाओं में भाग नहीं लेगी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह एक जून को एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) से संबंधित टेलीविजन चैनलों की चर्चाओं में भाग नहीं लेगी, क्योंकि पार्टी टीआरपी के खेल का हिस्सा नहीं बनना चाहती। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक संक्षिप्त बयान में यह भी कहा कि कांग्रेस चार जून से चर्चाओं में भाग लेगी। उन्होंने कहा, ''मतदाताओं ने अपना मत दे दिया है एवं मतदान के परिणाम मशीनों में बंद हो चुके हैं। चार जून को परिणाम सबके सामने होंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नज़रों में परिणाम घोषित होने से पहले किसी भी तरह के सार्वजनिक अनुमान लगा कर घमासान में भाग ले कर टीआरपी के खेल का कोई औचित्य नहीं है।'' खेड़ा ने कहा, ''किसी भी बहस का मक़सद दर्शकों का ज्ञानवर्धन करना होता है। कांग्रेस पार्टी 4 जून से चर्चा में फिर से सहर्ष भाग लेगी।'' लोकसभा चुनाव के सातवें एवं अंतिम चरण का मतदान शनिवार को संपन्न होगा। मतगणना चार जून को होगी।

नागपुर में 56 डिग्री पर पहुंचा पारा, राजस्थान, बिहार, झारखंड के लिए रेड अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। वहीं महाराष्ट्र के नागपुर में शुक्रवार को असामान्य रूप से उच्च तापमान 56 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह तापमान दिल्ली के उपनगर मुंगेश्वर में बुधवार को दर्ज किये गये तापमान से भी अधिक था। रिपोर्ट के मुताबिक, नागपुर में स्वचालित मौसम स्टेशन (एडब्ल्यूएस) ने अधिकतम तापमान 56 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। रिपोर्ट के अनुसार, AWS, रामदासपेठ में डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ के 24 हेक्टेयर खुले कृषि क्षेत्र के मध्य में स्थित है। हालाँकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग मुंगेश्वर की रीडिंग को संशोधित कर सकता है, क्योंकि वह सेंसर त्रुटि की जाँच कर रहा है। आईएमडी ने आज दिल्ली में हल्की बारिश और आंधी की भविष्यवाणी की है। इससे गर्मी से कुछ राहत मिलने की संभावना है। आईएमडी ने शुक्रवार को राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़-दिल्ली, बिहार, ओडिशा और झारखंड के कई हिस्सों में 1 जून तक 'गंभीर' लू की स्थिति के लिए रेड अलर्ट जारी किया। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी 1 जून तक भीषण गर्मी पड़ेगी। देश के विभिन्न हिस्सों में लू के कारण कथित तौर पर 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने कहा कि गुरुवार को बिहार में कुल 14 लोगों की मौत हो गई, जिनमें वर्तमान में चल रहे सात चरण के राष्ट्रीय चुनावों के आयोजन में शामिल 10 लोग भी शामिल हैं। अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि उसी दिन ओडिशा के राउरकेला क्षेत्र के सरकारी अस्पताल में भी 10 लोगों की मौत की सूचना मिली, जिसके बाद ओडिशा सरकार ने तापमान चरम पर होने पर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी।

अंतर धार्मिक विवाह के लिए, विशेष विवाह अधिनियम का विवाह ही मान्य

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गुरपाल सिंह अहलूवालिया द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसला दिया गया है। इस फैसले में उन्होंने कहा है विशेष विवाह अधिनियम के तहत ही,अंतरजातीय विवाह मान्य होंगे। विवाह करने वाले लड़के और लड़की द्वारा यदि धर्म परिवर्तन नहीं किया गया है। दोनों अलग-अलग धर्म से आते हैं। ऐसी स्थिति में उनके विवाह को मान्य नहीं किया जा सकता है। मुस्लिम लड़के और हिंदू लड़की ने अपने-अपने धर्म में रहते हुए हाईकोर्ट में सुरक्षा की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। इस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। धार्मिक आधार पर मुस्लिम पर्सनल लॉ के अलग कानून है। हिंदू पर्सनल लॉ का अलग कानून है। ऐसी स्थिति में दोनों के निजी अधिकार अलग-अलग होते हैं। धार्मिक आधार पर की गई शादी, कानूनी रूप से मान्य नहीं हो सकती है। इस तरह की शादी विशेष विवाह अधिनियम के तहत ही मान्य है। हाईकोर्ट ने कहा विशेष विवाह अधिनियम किसी भी तरह के पर्सनल ला को प्रभावित नहीं करेगा। वह सर्वोच्च होगा। विशेष विवाह अधिनियम में किसी धार्मिक अनुष्ठानों का पालन ना करने पर किसी तरह की चुनौती नहीं दी जा सकती है। विशेष विवाह अधिनियम में व्यक्तिगत कानून प्रतिबंधित है।

राहुल गांधी को 19 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश

पुणे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को वीर सावरकर मानहानि के मामले में कोर्ट ने तलब किया है। पुणे की सत्र न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 19 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। इस मामले की जांच पुणे की विश्रामबाग पुलिस कर रही है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने मार्च 2023 में लंदन में वीर सावरकर के बारे में अपमानजनक बयान दिया था। शिकायत के अनुसार, अपने बयान में राहुल ने कहा था कि वीर सवारकर ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और सावरकर को खुशी महसूस हुई थी। वीर सावरकर के पौत्र सात्यकी सावरकर ने अपनी शिकायत में कहा था कि ऐसी कोई घटना कभी नहीं हुई थी और वीर सावरकर ने कभी भी ऐसी कोई बात कहीं नहीं लिखी थी। सात्यकी ने राहुल गांधी के आरोप को काल्पनिक, झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया था। इसी बयान के खिलाफ सात्यकी सावरकर ने पुणे सत्र न्यायालय में मानहानि का मामला दाखिल किया था।

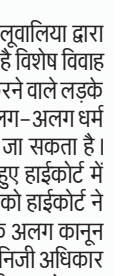

लोकसभा चुनाव के बाद अब दिल्ली में पानी को लेकर सियासत

केजरीवाल ने कहा-भीषण गर्मी में पानी की जरूरत पूरा करना सबकी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लोकसभा चुनाव खत्म होते ही अब पानी को लेकर राजनीति शुरु हो गई है। दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच शहर में पानी की किल्लत से हाहाकार मच गया है। पानी को लेकर अब सियासी होने लगी है। पानी की किल्लत को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली सरकार ने कोर्ट में एक याचिका दायर की है जिसमें दिल्ली को ज्यादा पानी सप्लाई करने के लिए हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश को निर्देश देने की मांग की गई है।

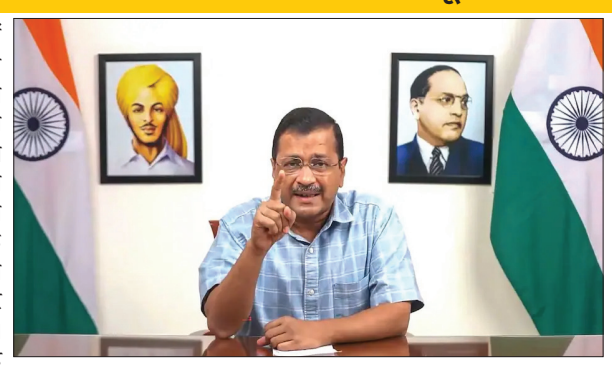

दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि भीषण गर्मी में दिल्ली को ज्यादा पानी की ज़रूरत है। ऐसी भीषण गर्मी में पानी की जरूरत पूरा करना सबकी जिम्मेदारी है। दिल्ली को हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश से एक महीने के लिए अतरिक्त पानी दी जाए। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी रोकने का आरोप लगाया है।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में पानी की जरूरतों को पूरा करने की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया है। केजरीवाल ने शुक्रवार को बीजेपी से आग्रह किया कि वह हरियाणा और यूपी सरकारों से दिल्ली को एक महीने तक पानी देने के लिए कहे। उन्होंने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ बीजेपी द्वारा आज जो विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि इस विरोध से समस्या का समाधान नहीं होने वाला। केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-मेरी सभी से हाथ जोड़ कर विनती है कि इस समय राजनीति करने की बजाय मिलकर दिल्ली के लोगों को राहत दिलवाएं।

उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी यूपी और हरियाणा की अपनी सरकारों से बात करके एक महीने के लिए दिल्ली को पानी दिलवा दे तो दिल्ली वाले इस कदम की सराहना करेंगे। हम सब मिलकर काम करें तो लोगों को राहत दिलवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में पानी की मांग बहुत बढ़ गई है और दिल्ली को पड़ोसी राज्यों से मिलने वाला पानी भी कम हो गया है।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि पानी की किल्लत बहुत है और सप्लाई कम हो गई है। हम सबको मिलकर इस समस्या को निपटाना है। इस वक्त पूरा देश भीषण गर्मी का सामना कर रहा है जिसके कारण पूरे देश में पानी और बिजली का संकट है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बिजली की स्थिति नियंत्रण में है।

पीएम मोदी के ध्यान में व्यवधान डालने मद्रास हाईकोर्ट पहुंची कांग्रेस

कन्याकुमारी। पीएम मोदी का कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मंडपम में ध्यान करने का शुक्रवार को दूसरा दिन है। शुक्रवार सुबह उनके ध्यान करने की तस्वीरें सामने आईं। इन तस्वीरों में पीएम मोदी भगवा चोला, हाथ में रुद्राक्ष की माला और माथे पर तिलक लगाए दिख रहे है। उन्होंने सूर्य को अर्घ्य दिया, मंदिर की परिक्रमा की और ध्यान मुद्रा में बैठे। उधर विपक्ष मोदी के ध्यान को चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बता रहा है। तमिलनाडु कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके खिलाफ तमिलनाडु कांग्रेस ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। पीएम मोदी गुरुवार शाम को कन्याकुमारी पहुंचे थे। यहां पहुंचने के बाद सबसे पहले भगवती देवी अम्मन मंदिर में दर्शन-पूजन किया। पूजा के दौरान मोदी ने सफेद मुंडु (दक्षिण भारत का एक परिधान) और शॉल पहना था। पुजारियों ने पीएम मोदी से विशेष आरती कराई। प्रसाद, शॉल और देवी की तस्वीर दी। उधर कांग्रेस कमेटी ने मद्रास हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि प्रधानमंत्री की विवेकानंद रॉक यात्रा पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता है, लेकिन लोकसभा चुनाव के 7वें फेज के के दौरान उनकी यात्रा हिंदू भावनाओं को भड़काने और अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके वोट हासिल करने की कोशिश है। इसकारण इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। उधर, मोदी के कन्याकुमारी दौरे को लेकर एक संगठन थंगथाई पेरियार द्रविड़र कड़गम ने गुरुवार को मदुरै में प्रधानमंत्री के विरोध में काले झंडे दिखाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में मतदाताओं से रिकॉर्ड मतदान का किया आह्वान

- नई काशी और विकसित भारत का सपना साकार करने बढ़चढ़ कर मतदान में हिस्सा लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोक सभा क्षेत्र वाराणसी के मतदाताओं को लगभग 6 मिनट का वीडियो जारी कर अपील की है कि वे नई काशी और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए बढ़चढ़ कर मतदान में हिस्सा लें। वाराणसी में 1 जून को वोट डाले जाएंगे। गुरुवार को यहां प्रचार समाप्त हो गया। पिछले दस साल से वाराणसी का प्रतिनिधित्व कर रहे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने क्षेत्र के लोगों से मतदान में पिछले चुनाव समेत सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करने का आह्वान किया है। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री पहली बार काशी से चुनाव लड़ने पहुंचे थे तो इस निर्वाचन क्षेत्र में 58.35 प्रतिशत वोट पड़े थे। साल 2019 के चुनाव में पूरे निर्वाचन क्षेत्र में वोट प्रतिशत घट कर 57.13 पर आ गया था। साल 2014 के चुनाव में मोदी को 56.37 प्रतिशत वोट मिले थे मगर पांच साल बाद जब मोदी दोबारा यहां से मैदान में उतरे तो उनकी जीत का अंतर और बढ़ गया तथा उन्हें 63.6 प्रतिशत वोट मिले। वाराणसी में कुछ लोगों का मानना है कि इस का परिणाम 2014 और 2019 के चुनावों से अलग रहेगा। देखना यह है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी की जीत का अंतर अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के अजय राय के मुकाबले पहले से अधिक बढ़ेगा? अजय को समाजवादी पार्टी का भी समर्थन प्राप्त है। बसपा ने यहां से अख्तर जमाल लारी को मैदान में उतारा है।

वाराणसी में भाजपा शासन से नाराज लोग भी इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि पिछले दस वर्षों में वाराणसी में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। एक्स पर पोस्ट किए अपने संदेश वाले वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में हुए तमाम विकास कार्य भी गिनाए हैं। इनमें उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, गंगा घाटों का सौंदर्यीकरण, रोपवे परियोजना का नाम प्रमुखता से शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में पिछले दस वर्षों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी से रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और किसानों से कहा, वे मतदान में बढ़चढ़ कर हिस्सा लें। उनका एक-एक वोट उन्हें नई ऊर्जा से भर देगा। वाराणसी के चेतगंज इलाके में एक चाय का स्टाल चलाने वाले 65 वर्षीय बुजुर्ग से जब शहर के राजनीतिक माहौल के बारे में पूछा गया तो उत्साहित होकर बोले, मोदी के अलावा कौन जीतेगा? उन्होंने शहर में करोड़ों रुपये की परियोजनाएं शुरू करवाईं और प्रधानमंत्री बनने के बाद इस शहर का पूरा परिदृश्य ही बदल दिया।

देश के लिए गर्व का क्षण... आरबीआई ने ब्रिटेन से वापस भेजा 100 टन सोना

-आने वाले महीनों में फिर आ सकता हैं इतना ही सोना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व दिवगंत पीएम चंद्रशेखर के जमाने में जहां भारत दूसरे देशों में अपना सोना गिरवी रखने को मजबूर था। वहीं आज पीएम मोदी के इंडिया में विदेश में वर्षों से जमा सोना भारत वापस लौट रहा है। इस कड़ी में भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन से 100 टन (100000किलोग्राम) से थोड़ा अधिक सोना देश में अपने तिजोरी में भेजा है। यह 1991 की शुरुआत के बाद पहली बार है, जब इतने बड़े पैमाने पर सोना आरबीआई की तिजोरी में जमा किया गया है।

आने वाले महीनों में फिर से इतनी ही मात्रा में सोना देश में आ सकता है। यह जानकारी मामले से जुड़े एक सूत्र ने दी है। सूत्र ने कहा, यह अर्थव्यवस्था की मजबूती और आत्मविश्वास को दर्शाता है, जो 1991 की स्थिति के बिल्कुल विपरीत है। ताजा डेटा के अनुसार मार्च के अंत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पास 822.1 टन सोना था, इसमें से 413.8 टन विदेशों में रखा गया था। सोना खरीदने वाले केंद्रीय बैंकों में आरबीआई भी शामिल रहा , जिसने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 27.5 टन सोना जोड़ा।

दरअसल दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड पारंपरिक रूप से भंडारगृह रहा है। भारत भी इससे अलग नहीं है। आजादी से पहले से लंदन में भारत के सोने के स्टॉक पड़े हुए हैं। एक अधिकारी ने कहा, आरबीआई ने कुछ साल पहले सोना खरीदना शुरू किया था और यह तय किया कि वह इस कहां स्टोर करना चाहता है। चूंकि विदेशों में भारत का स्टॉक बढ़ रहा था, इसलिए कुछ सोना भारत लाने का फैसला किया गया। भारत में सोने के प्रति मोह किसी से छिपा नहीं है। सोने का खोना, गिरवी रखना या बेचना किसी भी परिवार के लिए अच्छा नहीं माना जाता। एक समय ऐसा भी आया था, जब भारत को सोना गिरवी भी रखना पड़ा था। जबकि, आरबीआई ने लगभग 15 साल पहले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 200 टन सोना खरीदा था। पिछले कुछ सालों में भारतीय केंद्रीय बैंक द्वारा खरीद के माध्यम से स्टॉक में लगातार वृद्धि हुई है।

उत्तराखंड के बाद अब हिमाचल प्रदेश के जंगलों में लगी आग, बुझाने के प्रयास जारी

शिमला (एजेंसी)। उत्तराखंड के बाद अब हिमाचल प्रदेश में जंगल की आग से लाखों बेजुबान जानवरों की मौत हो गई है। शिमला, मंडी, बिलासपुर और सोलन जिले में चिड़ के जंगल आग की चपेट में हैं। वन विभाग आग बुझाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन लगातार आगजनी के मामले सामने आ रहे हैं। सोलन और शिमला में जंगल की आग रिहायशी इलाकों तक पहुंच गई और यहां पर कालका-शिमला रेललाइन पर ट्रेने भी प्रभावित हो रही है। शिमला में जंगल की आग के चलते समहिल और तारादेवी के पास ट्रेनें रोकनी पड़ी।

जानकारी के मुताबिक शिमला के जंगल में बीते तीन दिन से आग लगी हुई है। आग रिहाशयी इलाकों की ओर पहुंची गई है। गुरुवार को तारा देवी और समरहिल के जंगलों में आग लगी और जिससे शिमला-कालका रेल ट्रैक की सभी ट्रेनों का आना जाना पूरी तरह बंद कर दिया गया था। कुछ ट्रेन जहां तारा देवी स्टेशन पर खड़ी रहीं।

शिमला के तारा देवी स्टेशन पर ट्रेन रोकने से यात्रियों को खासी दिक्कत हुई। आग को बुझाने के लिए कर्मचारी जुटे गए लेकिन आग बुझाने के प्रयास नाकाम साबिह हुए।

हिमाचल के बिलासपुर जिले में एम्स अस्पताल के पास जंगलों में भी आग लगी है। बंदलाधार का जंगल राख में तबदील हो गया है। सोलन के कसौली सहित मंडी में भी चिड़ के जंगल जल रहे हैं। मंडी के कोटली के तुंगल इलाके में आग से जनजीवन पर असर पड़ा है। प्रदेश में बीते 75 दिनों में जंगलों में आग के 1080 मामले सामने आए हैं। वन विभाग के पास मैनपावर कम है। ग्रामीण इलाकों में लोग कुछ हद तक मदद कर रहे हैं।

वन विभाग के एडिशनल प्रिंसिपल चीफ कन्जर्वेटर पीके राणा ने बताया कि गर्मी के मौसम से पहले विभाग ने लोगों को जागरूक करने के लिए 900 बैठक की थी। कई इलाकों में लोग भी मदद के लिए आ रहे हैं। मुख्य सचिव ने भी आपदा प्रबंधन और विभागों से साथ बैठक की है। उन्होंने बताया कि हिमाचल में ड्राई स्पेल के चलते भी आग ज्यादा भड़क रही है।

भोपाल की 250 नई अवैध कॉलोनियां पर चलेगा मोहन सरकार का चाबुक

भोपाल (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की आदर्श आचारण संहिता खत्म होते ही मोहन सरकार की अवैध कालोनियों पर सख्त कार्रवाई शुरू हो जाएगी। चौंकाने वाली बात यह है कि पहले से दिए गए सरकारी आदेशों के बाद भी भोपाल शहर और आसपास के इलाकों में महज डेढ़ साल में 250 नई अवैध कॉलोनियां तन चुकी हैं।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देश के बाद अब सभी अधिकारी सख्ती दिखाने को तैयार है। राजस्व विभाग और नगर निगम ने इनकी लिस्ट तैयार कर ली है। अब इन्हें नोटिस भेजने के लिए आदेश बन रहे हैं। शुरुआत में 20 कॉलोनियों को नोटिस भेजने की तैयारी हैं, नोटिस का पालन करवाने की कार्रवाई सोमवार से शुरू हो जाएगी। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के अनुसार जैसे-जैसे

आदेश तैयार होते जाएंगे। उन्हें भेजना शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए कॉलोनी विकसित करने वाले को एक निश्चित समय दिया जाएगा। अगर संचालक, कॉलोनी संबंधी जरूरी अनुमति जैसे कॉलोनाइजर का पंजीयन, डायवर्सन, टीएंडसीपी, रेरा और अन्य सभी तरह की अनुमति प्रस्तुत कर देगा, तब वह कार्रवाई से बच सकता है। पर यदि कॉलोनी विकसित करने वाले ने किसी तरह के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए, तब सरकार उस कॉलोनी का अधिग्रहण कर लेगी।

नगर निगम और जिला प्रशासन करेगा कार्रवाई

कलेक्टर के अनुसार शहरी क्षेत्र में विकसित कॉलोनी पर नगर निगम की राजस्व टीम कार्रवाई करेगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में जिला प्रशासन की राजस्व टीम कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचाएगी। सबसे पहले कॉलोनाइजर पर एफआईआर की जाएगी उसके बाद यहां पर प्लॉटों की नीलामी की जाएगी। लोगों से विकास शुल्क लेकर कॉलोनी को नियमित कर दिया जाएगा। भोपाल जिला प्रशासन के रिकॉर्ड में 576 अवैध कॉलोनियां हैं। इनमें से 321 कॉलोनियों को नियमित किया गया है। वहीं 255 पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। विधानसभा चुनाव 2023 से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अवैध कॉलोनी को वैध करने का ऐलान कर दिया था। लेकिन साल 2023 के विधान सभा के चुनाव में प्रचंड जीत के बाद भाजपा ने डॉक्टर यादव को एमपी के नए सीएम के रूप में चुना। अब मामले पर नई सरकार के नए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि अवैध तरीके से कॉलोनी बनाने से सरकार और जनता का नुकसान हुआ है। ऐसे में इन्हें वैध करना न्याय संगत नहीं है।

मोदी निवर्तमान पीएम का निवर्तमान सांसद बनना तय... 10 साल में साफ नहीं हुई गंगा: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। । कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नमामि गंगे परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है, इस वाराणसी की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि निवर्तमान प्रधानमंत्री का निवर्तमान सांसद भी बनना तय हो चुका है। वाराणसी सीट पर 1 जून को मतदान होगा। इस सीट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, 1 जून को वाराणसी में वोट डाला जाएगा। मोदी 10 साल से यहां के सांसद हैं। गंगा को साफ करने के वादे के 10 साल हो चुके हैं। उन्होंने कहा, सत्ता में आने के बाद उन्होंने, 2009 में शुरू होने के बाद से चल रहे मिशन गंगा का नाम बदलकर नमामि गंगे किया। मिशन गंगा के दो प्रमुख उद्देश्य थे- निर्मल गंगा और अविरल गंगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती मनमोहन सरकार ने गंगा पर राज्य और केंद्र की पहल के समन्वय के लिए 2009 में राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण की स्थापना की थी।

रमेश ने दावा किया, इस महत्वपूर्ण संस्थान को भी पीएम मोदी ने पहले राष्ट्रीय गंगा नदी परिषद का नाम देकर 10 वर्षों के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। राष्ट्रीय गंगा परिषद की 10 वर्षों में केवल 2 बार बैठक हुई है! 2022 के बाद से कोई बैठक नहीं हुई है। कांग्रेस नेता के अनुसार, अंत में ऐतिहासिक रूप से सात आईआईटी का एक संघ साथ आया और गंगा नदी बेसिन की सुरक्षा और कायाकल्प के लिए एक 'गंगा नदी बेसिन एक्शन प्लान की सिफ़ारिश की। कई वॉल्यूम की अंतिम रिपोर्ट मोदी सरकार को सौंपी गई लेकिन रिपोर्ट पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

विशेष रूप से सीवेज उपचार के लिए पिछले दस वर्षों में 20,000 करोड़ रुपए ख़र्च हुए हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, पानी साफ करने के लिए नए सिरे से शुरू किए गए काम का कोई परिणाम नहीं मिला है। प्रदूषित नदी क्षेत्रों की संख्या 51 से बढ़कर 66 हो गई है।

फरवरी 2024 में बिहार सरकार की रिपोर्ट में दावा किया गया हैं कि गंगा का पानी नहाने या फसलों की सिंचाई तक के लिए भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, नमामि गंगे परियोजना द्वारा अपनाया गया मॉडल प्रत्येक कार्य के लिए निजी ठेकेदारों को ठेका देने का है। ऐसा होने की वजह से खराब प्रदर्शन के बावजूद उन्हें भारी फंड दिया जाता है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि जब

इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है तब यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि 20,000 करोड़ रुपये गायब हो गए और गंगा पहले से कहीं अधिक प्रदूषित हो गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रशासन की लापरवाही, तो जवाबदेही किसकी

FIRE,SMC-SUDA,& POLICE

अवैध ज़बरदस्ती या अवैध परिसर को किराये पर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सचिन GIDC पुलिस स्टेशन के पास और आशीष होटल चारों ओर से और सड़कों के बीच में स्थित होने के बावजूद समान रूप से खतरनाक और हानिकारक हैं। सूरत मनपा या सूडा की ओर से कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। इस जगह को अवैध तरीके से जबरन थोपा गया है या अधिकारी इस जगह को अवैध तरीके से किराये पर देकर पैसे काट रहे हैं। यदि इसकी जांच की जाए तो किसी भी खतरनाक या आकस्मिक घटना को घटित होने से पहले ही रोकना संभव है।

इन स्थानों पर खतरनाक रूप से पुराने टायरों का भी ढेर लगा हुआ है। जिसमें कोई भी फायर उपकरण नहीं लगा है। और चूंकि सामने की तरफ पेट्रोल पंप है, इसलिए इस मामले की जांच होनी चाहिए.

सूरत नगर निगम के प्रवर्तन विभाग के अधिकारी अवैध वसूली करने वाले पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? सूत्रों के मुताबिक रंगदारी मांगने वाले और सूरत नगर निगम के रंगदारी विभाग के बीच कॉन्ट्रैक्ट का कोई संबंध है.

सूरत नगर पालिका के रंदेर जोन में बीजेपी नेता का फूड कोर्ट गिनती के घंटों में खुलने की शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट त्रासदी के बाद सूरत नगर पालिका द्वारा फायर एनओसी। वहीं, बीयू की अनुमति के बिना प्रॉपर्टी सीलिंग का काम किए जाने पर विवाद हो गया है। जबकि सूरत में बच्चों के खेल क्षेत्र और दुकानें बंद हैं, एक खाद्य क्षेत्र, जो नगर पालिका की सीलिंग सूची में बंद था, खुला है। लोग इस आरोप के साथ नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठा रहे हैं कि यह फूड जोन एक भाजपा नेता का होने के कारण बंद होने के बाद भी इसे खोल दिया गया।

सूरत नगर पालिका द्वारा कल एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई जिसमें रंदेर जोन में गैलेक्शी सर्कल के पास ला पैंटोला फूड जोन को बंद करने की घोषणा की गई। यह फूड जोन एक पार्षद का बताया जा रहा है। नगर पालिका क्षेत्र में छोटे लोगों की छोटी दुकानें भी सख्ती से बंद कराई जा रही हैं। लेकिन कल नगर पालिका द्वारा खोले गए ला पैंटोला फूड जोन को बंद करने के बाद लोगों का आरोप है कि नगर पालिका अपने संचालन में दोहरे मापदंड अपना रही है. कल रात से इस फूड कोर्ट की तस्वीरें वायरल होने से काफी हंगामा मचा हुआ है. बेशक, आज सुबह भी फूड कोर्ट से गाड़ियों की आवाजाही देख लोग अग्निशमन विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल उठा रहे हैं.

निर्माण कार्य की तरफ चट्टान गिरने से १ मजदूर मलबे में दबा, २ को इलाज के लिए अस्पताल में

सरथाणा गढ़पुर चौकड़ी में निर्माण स्थल पर भूस्खलन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सरथाणा के पास गढ़पुर चौक के पास एक प्रमुख निर्माण स्थल पर बेसमेंट के काम के दौरान चट्टान गिरने के बाद दो श्रमिकों को निकाला गया । काम करने वाले कुछ श्रमिकों को श्रमिकों के लिए दबाया गया था। जब यह घटना घटी तो सभी मजदूर चिल्लाते हुए दौड़ पड़े. उनके साथ मौजूद कर्मचारी फंसे हुए मजदूरों को निकालने के काम में लग गए। दो श्रमिकों को बाहर निकाला गया और घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कार्रवाई शुरूकी.

जेसीबी से निकाला लेकिन नहीं बचाया: सरथाणा चौकड़ी में निर्माण स्थल पर भूस्खलन से तीन मजदूर दबे, एक की मौत; २ को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया

लापरवाह बिल्डरों व ठेकेदारों पर होगी कानूनी कार्रवाई

अन्य मजदूरों ने बताया कि एक और मजदूर मिट्टी के नीचे दबा है. अग्निशमन विभाग ने जेसीबी मशीन की मदद से मिट्टी हटाने का काम शुरूकिया। बाहर निकाले जाने पर मजदूर मृत पाया गया। इस प्रकार के निर्माण स्थल पर बिल्डरों द्वारा उचित सावधानियां नहीं बरती जाती हैं। वहां काम करने वाले मजदूरों के लिए भी सुरक्षा के इंतजाम होने चाहिए. इसके कारण मजदूरों की मौत हो रही है. पूरे घटनाक्रम में ठेकेदार पर किस तरह की कार्रवाई होती है, यह देखना जरूरी है. बिल्डर आशीष पटेल से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई। उसका फोन रिसीव किया और कहा कि मुझे घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है और फोन काट दिया. चर्चा शुरू हो गई है कि क्या निर्माण में लापरवाही बरतने वाले बिल्डरों और ठेकेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बेसमेंट पर ५० से ६० मजदूर कर रहे थे काम फायर ऑफिसर सुनील चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही हमारी टीम गढ़पुर चौकड़ी स्थित निर्माण स्थल पर पहुंची. वहां देखने पर पता चला कि साइट काफी बड़ी थी और बेसमेंट पर करीब ५० से ६० मजदूर काम कर रहे थे. निर्माण स्थल को देखकर लग रहा था कि यह कोई आवासीय इमारत होगी। चट्टान खिसकने से तीन मजदूर दब गए, जिनमें से दो को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया लेकिन एक मजदूर मिट्टी के नीचे दब गया। जिसे जेसीबी मशीन से बाहर निकाला गया। लेकिन, ज्यादा मलबे में दबने से उसकी मौत हो गई। मृतक श्रमिक की पहचान मोहम्मद जाफिर के रूप में की गई है और अन्य श्रमिक लाला छपरी और अंसुल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

निर्माण स्थलों पर मजदूरों की मौत आम होती जा रही है. जहां सूरत जैसे औद्योगिक शहर में निर्माण स्थलों पर काम करते समय निर्दोष मजदूर अपनी जान गंवा रहे हैं, वहीं एक बार फिर सरथाणा क्षेत्र में गढ़पुर चौक के पास निर्माण कार्य में एक मजदूर की दुर्घटना में मौत हो गई है।

सूरत अग्नि सुरक्षा अभियान: बिना अग्नि सुरक्षा वाली ६०० से अधिक दुकानें सील की गईं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर पालिका ने लगातार छठे दिन सीलिंग अभियान चलाया है। सूरत नगर पालिका का अग्निशमन विभाग रात में सीलिंग का काम करता है और जोन के कर्मचारी दिन में सीलिंग का काम करते हैं.

सूरत में आज पांच जिम, आठ कपड़ा बाजार और ११ होटलों सहित संपत्तियों को सील कर दिया गया है। इसके अलावा दिन में जोन के हिसाब से फायर एनओसी दी जाती है। वहीं, बीयू की अनुमति के बिना संपत्ति सील करने की कार्रवाई चल रही है। आज की कार्रवाई में भी ६०० से ज्यादा संपत्तियां सील की गई हैं और शाम तक यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा.

राजकोट हादसे के बाद सूरत में भी फायर एनओसी जारी की गई. बिना संपत्ति का पता लगाने का ऑपरेशन चलाया जाता है। सूरत नगर पालिका के लिंबायत जोन में १०२ दुकानों वाले स्वदेशी मार्केट और डिंडोली स्थित साईं कॉम्प्लेक्स को आज छठे दिन सील कर दिया गया है।

इसके अलावा, उधना में नाथूराम टॉवर में १३० दुकानें, वेसू में रिचमंड प्लाजा में ५० दुकानें, तीन होटल और धीरज संस स्टोर को भी सील कर दिया गया है। जबकि उधना के मगदल्ला रोड स्थित सफल चौराहे पर ८२ दुकानें, छह रेस्तरां और सात होटल सील कर दिए गए हैं। इस तरह सेंट्रल जोन में दो एसी डॉरमेट्री, फिटवे जिम, गुज्जू रेस्टोरेंट और रतन सिनेमा के पास एलबी टावर की शॉप बी ब्लॉक ६० को सील कर दिया गया है।

इसके अलावा मनपा के वराछा में अब्रामा रोड पर स्थित आस्था मेडिकेयर के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है. इसके अलावा कतारगाम जोन में मानसरोवर शॉपिंग सेंटर, सृष्टि जनरल हॉस्पिटल, स्टैलोन जिम, जीआर जिम और सेवियर फिटनेस जिम को सील कर दिया गया है। रंदेर जोन में भी होटल वन तारा सहित विभिन्न इकाइयों और संस्थानों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की गई है।